■ आश्विन कृष्णा - 14 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 12 ■ अंक - 69 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » मंगलवार » 01-10-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तक्षिन् पारत् राष्ट्रमत् | दिनसरि हिन्दि नाळितऴ् | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 पहली अंतरराष्ट्रीय मास्टर्स लीग में खेलेंगे तेंदुलकर

6 वन नेशन वन इलेक्शन आज के भारत की आवश्यकता

7 'इमरजेंसी' के विवादित दृश्य को हटाने पर सहमत हैं कंगना

फर्स्ट टेक

लालू प्रसाद के खिलाफ मुजफ्फरपुर की अदालत में परिवाद दायर

मुजफ्फरपुर/भाषा। बिहार के मुजफ्फरपुर की एक अदालत में सोमवार को राष्ट्रीय जनता दल (राजद) अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव के खिलाफ एक सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर एक परिवाद दायर किया गया है। उक्त पोस्ट में उन्होंने राज्य में बलात्कार की कथित तौर पर बढ़ती घटनाओं को रेखांकित किया था। स्थानीय वकील सुधीर कुमार ओझा द्वारा मुजफ्फरपुर के मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी की अदालत में दायर याचिका में पूर्व मुख्यमंत्री प्रसाद द्वारा हाल ही में की गई एक पोस्ट पर आपत्ति जताई गयी है। राजद अध्यक्ष ने दो दिन पहले किए एक पोस्ट में ''बिहार=बलात्कार'' लिखकर अपने कट्टर प्रतिद्वंद्वी नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली राज्य की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार पर निशाना साधने की कोशिश की थी।

सोनोवाल ने 'क्रूज भारत मिशन' की शुरुआत की

मुंबई/भाषा। केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने सोमवार को मुंबई बंदरगाह से 'क्रूज भारत मिशन' की शुरुआत की, जिसका उद्देश्य देश में क्रूज पर्यटन की संभावनाओं को बढ़ाना और वर्ष 2029 तक क्रूज यात्रियों की संख्या को दोगुना करना है। यह जानकारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति में दी गई है। इस मिशन का उद्देश्य भारत को क्रूज पर्यटन के लिए वैश्विक केंद्र बनाने और देश को अग्रणी वैश्विक क्रूज गंतव्य के रूप में बढ़ावा देने के भारत के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाना है। बंदरगाह, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्री सोनोवाल ने क्रूज जहाज 'एम्प्रेस' पर आयोजित एक कार्यक्रम में इस मिशन का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा, क्रूज़ भारत मिशन' भारत के क्रूज क्षेत्र के पुनरुद्धार में एक महत्वपूर्ण क्षण है।

तमिलनाडु में अवैध रूप से रह रहे तीन बांग्लादेशी गिरफ्तार

तिरुपुर/भाषा। तमिलनाडु के तिरुपुर में अवैध रूप से रह रहे और छोटी बुनाई करने वाली इकाइयों में काम करने वाले तीन बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि गश्त ड्यूटी पर तैनात एक पुलिस टीम ने रविवार को पुराने बस टर्मिनल क्षेत्र में तीन लोगों से उनकी पहचान के बारे में पूछताछ करने की कोशिश की, तो उन्होंने भागने का प्रयास किया। पुलिस टीम उन्हें पकड़कर थाने ले आई। पूछताछ के दौरान तीनों ने खुलासा किया कि वे बांग्लादेश के नारायणगंज के निवासी हैं। एक पुलिस अधिकारी ने बताया, ''वे तिरुपुर में छोटी बुनाई इकाइयों के लिए काम कर रहे थे।

01-10-2024	02-10-2024
सूर्यास्त 5:58 बजे	सूर्योदय 5:58 बजे

BSE	NSE
84,299.78	25,810.85
(-1,272.07)	(-368.10)

सोना	चांदी
7,953 रु.	101,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

आर्थिक और सामाजिक विकास के लिए कानून का शासन जरूरी : मुर्मु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को कहा कि आर्थिक प्रगति और सामाजिक विकास तभी संभव है, जब कानून का शासन कायम रहे। मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में उनसे मुलाकात करने आए भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के परिवीक्षाधीन अधिकारियों के एक समूह को संबोधित करते हुए कहा कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने, न्याय सुनिश्चित करने और नागरिकों के अधिकारों की रक्षा के बिना, प्रगति एक अर्थहीन शब्द बन जाती है।

मुर्मू ने कहा, ''अपराध की एक श्रेणी जिस पर मैं यहां प्रकाश डालना चाहूंगी, वह है महिलाओं के विरुद्ध अपराध। हालांकि, यह एक जटिल समस्या है जिसकी जड़ें बीमार मानसिकता और सामाजिक पूर्वाग्रहों में गहरी हैं, लेकिन सबसे पहले यह एक अपराध है। इसलिए, इससे लड़ने के लिए कई स्तरों पर कार्रवाई की आवश्यकता है, लेकिन सबसे पहले पुलिस बल को इससे निपटना होता है।'' उन्होंने कहा कि इन मामलों से निपटने वाले पुलिस अधिकारियों से अपेक्षा की जाती है कि वे पीड़िताओं के प्रति असाधारण संवेदनशीलता और सहानुभूति रखें तथा न्याय सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध रहें।

मुर्मू ने कहा कि पुलिस अधिकारियों की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है क्योंकि भारत आने वाले वर्षों में नई ऊंचाई को छूने का लक्ष्य रखता है।

राष्ट्रपति ने कहा, ''आर्थिक प्रगति और सामाजिक विकास केवल तभी संभव है जब कानून का शासन कायम रहे। कानून-व्यवस्था बनाए रखने, न्याय सुनिश्चित करने और नागरिकों के अधिकारों की रक्षा के बिना, 'प्रगति' एक अर्थहीन शब्द बन जाती है।'' उन्होंने पुलिस अधिकारियों से तकनीक के प्रति जागरूक होने और अपराधियों से एक कदम आगे रहने का आह्वान किया।

राष्ट्रपति ने आईपीएस में महिला अधिकारियों की संख्या में वृद्धि पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा, ''मुझे बताया गया है कि इस बैच में कुल 188 में से 54 महिला अधिकारी हैं। 28.72 प्रतिशत की दर से यह पिछले वर्ष की संख्या के साथ-साथ हाल के वर्षों के औसत से भी तेज वृद्धि है।''

मुर्मू ने कहा कि महिला अधिकारियों की भूमिका लिंग आधारित अपराधों से निपटने से कहीं आगे तक जाती है।

राष्ट्रपति ने 76 नियमित भर्ती (2023) बैच के आईपीएस परिवीक्षार्थियों को संबोधित करते हुए कहा, ''उनकी बढ़ती संख्या पुलिसिंग के समग्र चरित्र को बेहतर बना सकती है, पुलिस-समुदाय के संबंधों को बेहतर बना सकती है और यह राष्ट्र के लिए भी फायदेमंद साबित होगी।''

तैयारी

3 अक्टूबर से शुरु हो रहे शारदीय नवरात्रि के पूर्व सोमवार को बेंगलूरु के एयरपोर्ट रोड पर एक पंडाल में मां दुर्गा की प्रतिमाओं को अंतिम रूप देता हुआ एक कारीगर।

तिरुपति लड्डू विवाद : न्यायालय का नायडू के दावे पर सवाल

कम से कम देवताओं को राजनीति से दूर रखें : उच्चतम न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। तिरुपति मंदिर लड्डू विवाद में उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को कहा कि कम से कम देवताओं को तो राजनीति से दूर रखा जाना चाहिए। साथ ही न्यायालय ने सबूत मांगते हुए आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू के इस दावे पर सवाल उठाया कि तिरुपति मंदिर के लड्डू बनाने में पशुओं की चर्बी का इस्तेमाल किया गया।

न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ ने उल्लेख किया कि मुख्यमंत्री ने संबंधित दावा 18 सितंबर को किया, जबकि मामले में प्राथमिकी 25 सितंबर को दर्ज की गई और विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन 26 सितंबर को किया गया। पीठ ने कहा, ''...एक उच्च संवैधानिक पदाधिकारी के लिए सार्वजनिक रूप से ऐसा बयान देना उचित नहीं है जो करोड़ों लोगों की भावनाओं को प्रभावित कर सकता है।''

'एक उच्च संवैधानिक पदाधिकारी के लिए सार्वजनिक रूप से ऐसा बयान देना उचित नहीं है जो करोड़ों लोगों की भावनाओं को प्रभावित कर सकता है।'

इसने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से यह निर्णय लेने में सहायता करने को कहा कि क्या राज्य सरकार द्वारा गठित एसआईटी की जांच जारी रहनी चाहिए या किसी स्वतंत्र एजेंसी से जांच कराई जानी चाहिए।

पीठ कई याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी, जिनमें तिरुपति मंदिर के लड्डू बनाने में पशु चर्बी के कथित इस्तेमाल की अदालत की निगरानी में जांच की मांग भी शामिल है।

सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने इस बात का सबूत मांगा कि तिरुपति मंदिर के लड्डू बनाने में दूषित घी का इस्तेमाल किया गया था। पीठ ने कहा, ''कम से कम, हम उम्मीद करते हैं कि देवताओं को राजनीति से दूर रखा जाएगा।''

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने पीठ से कहा कि यह आस्था का मामला है और अगर लड्डू बनाने में दूषित घी का इस्तेमाल किया गया है तो यह अस्वीकार्य है।

महाराष्ट्र के अमरावती में आया 4.2 तीव्रता का भूकंप

नागपुर/भाषा। महाराष्ट्र के अमरावती जिले में सोमवार की दोपहर 4.2 तीव्रता का भूकंप आया। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) ने यह जानकारी दी। अमरावती के स्थानिक उपजिलाधिकारी (रेजिडेंट डिप्टी कलेक्टर) अनिल भटकर ने कहा कि किसी के हताहत होने या संपत्ति को नुकसान की कोई खबर नहीं है। एनसीएस ने कहा कि भूकंप जिले के चिखलधारा तालुका के टेट्रू गांव में दोपहर बाद 1.37 बजे आया। प्रारंभिक आंकड़ों के अनुसार, भूकंप का केन्द्र 13 किलोमीटर की गहराई पर था। भटकर ने कहा कि चिकलधारा, कटकुंभ, चुरनी, पचडोंगरी तालुका और मेलघाट में हल्के झटके महसूस किए गए।

एमयूडीए प्रकरण में

ईडी ने सिद्दरामय्या के खिलाफ धन शोधन का मामला दर्ज किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) लोकायुक्त की प्राथमिकी का संज्ञान लेते हुए कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या और कुछ अन्य लोगों के खिलाफ मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) प्रकरण के संबंध में धन शोधन का मामला दर्ज किया है। आधिकारिक सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी।

सूत्रों ने बताया कि संघीय एजेंसी ने मुख्यमंत्री और अन्य के खिलाफ प्रवर्तन मामला सूचना

रिपोर्ट (ईसीआईआर) दर्ज की है।

मैसूरु स्थित लोकायुक्त पुलिस प्रतिष्ठान ने 27 सितंबर को दर्ज प्राथमिकी में सिद्दरामय्या, उनकी पत्नी बीएम पार्वती, साले मल्लिकार्जुन स्वामी और देवराजू को नामज़द किया है।

एमयूडीए को लिखा पत्र अपराध स्वीकारोक्ति, उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए : भाजपा

नई दिल्ली/भाषा। भाजपा ने सोमवार को सिद्दरामय्या की पत्नी द्वारा एमयूडीए आयुक्त को लिखे गए पत्र को अपराध स्वीकारोक्ति करार दिया और कर्नाटक के मुख्यमंत्री के इस्तीफे की मांग की। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा, यह पत्र अपराध स्वीकारोक्ति है। उनके (सिद्दरामय्या) त्यागपत्र भेजने के बजाय, एक मोचन पत्र लिखा जा रहा है। सिद्दरामय्या की पत्नी ने एमयूडीए आयुक्त को पत्र लिखकर मामले की जांच से बचने के लिए उन्हें आवंटित 14 भूखंड वापस करने की इच्छा व्यक्त की है।

मुख्यमंत्री की पत्नी ने एमयूडीए को 14 भूखंड वापस करने की पेशकश की

मैसूरु (कर्नाटक)/भाषा। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या की पत्नी पार्वती ने मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) के आयुक्त को पत्र लिखकर मैसूरु के 14 भूखंडों को वापस करने की पेशकश की है। एमयूडीए आयुक्त को लिखे पत्र में पार्वती ने कहा कि उन्हें मैसूरु के विजयनगर के तीसरे और चौथे चरण में 14 वैकल्पिक भूखंडों आवंटित किए गए थे, जबकि इसके बदले उन्हें मैसूर के कसाबा होबली के अंतर्गत केसारे गांव में तीन एकड़ और 16 गुंटा जमीन आवंटित की गई थी। पार्वती ने अपने पत्र में कहा, मैं 14 भूखंडों को वापस करने को तैयार हूं। मैं चाहती हूं कि एमयूडीए इन भूखंडो का अधिग्रहण करे। मैं आपसे अनुरोध करती हूं कि इस दिशा में जल्द से जल्द कदम उठाएं।

मणिपुर में अफस्पा छह महीने के लिए बढ़ाई गयी

इंफाल/भाषा। सरकार ने मणिपुर में सशस्त्र बल (विशेष शक्तियां) अधिनियम (अफस्पा) के क्रियान्वयन को अगले छह महीने के लिए सोमवार को बढ़ा दिया। हालांकि इंफाल घाटी के अंतर्गत आने वाले 19 थाना क्षेत्रों एवं असम की सीमा से लगे एक क्षेत्र को इससे बाहर रखा गया है।

राज्य सरकार के गृह विभाग ने एक अधिसूचना में बताया कि यह विस्तार एक अक्टूबर से लागू होगा। अधिसूचना में कहा गया है, ''राज्य में मौजूदा कानून एवं व्यवस्था की स्थिति का विश्लेषण करने के बाद राज्य सरकार की राय है कि जमीनी स्तर पर विस्तृत आकलन करना उचित नहीं है, क्योंकि सुरक्षा एजेंसियां कानून एवं व्यवस्था बनाए रखने में व्यस्त हैं।'' अधिसूचना में बताया गया है कि अशांत क्षेत्र घोषित करने का मुद्दा बेहद संवेदनशील है और अगर उचित निर्णय नहीं लिया गया तो यह आलोचना और प्रतिरोध का कारण बन सकता है।

मिथुन चक्रवर्ती को 'दादा साहेब फाल्के' पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/कोलकाता/भाषा। हिंदी सिनेमा में डिस्को डांस को लोकप्रिय बनाने वाले तथा 'मृगया', 'सुरक्षा', 'डिस्को डांसर' और 'डांस डांस' जैसी फिल्मों के मशहूर अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती को सिनेमा के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सरकार ने सोमवार को उन्हें 'दादा साहेब फाल्के' पुरस्कार प्रदान किए जाने की घोषणा की।

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर यह घोषणा की।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती को सोमवार को दादा साहेब फाल्के पुरस्कार के लिए चुने जाने की घोषणा पर खुशी व्यक्त करते हुए उन्हें एक सांस्कृतिक दूत बताया।

मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''प्रसन्नता है कि मिथुन चक्रवर्ती को भारतीय सिनेमा में उनके अद्वितीय योगदान के लिए प्रतिष्ठित दादा साहेब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किए जाने की घोषणा की गई है। वह एक सांस्कृतिक आदर्श हैं और उनकी बहुमुखी प्रतिभा के लिए उन्हें पीढ़ियों से सराहा जाता रहा है। उन्हें बधाई और शुभकामनाएं।''

वैष्णव ने कहा कि चक्रवर्ती की शानदार सिनेमाई यात्रा ''पीढ़ियों को प्रेरित'' करती है।

एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने नये वायुसेना प्रमुख का कार्यभार संभाला

नई दिल्ली/भाषा। एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने सोमवार को भारतीय वायु सेना के नये प्रमुख के रूप में कार्यभार संभाला। उन्होंने वीआर चौधरी की जगह ली है। सिंह को 5,000 घंटे से अधिक समय तक विमान उड़ाने का अनुभव है और वह लड़ाकू विमान के कुशल पायलट हैं। एयर चीफ मार्शल सिंह अपने पिछले कार्यभार में वायु सेना के उपप्रमुख के रूप में कार्यरत थे।

एयर चीफ मार्शल चौधरी तीन साल तक वायु सेना की कमान संभालने के बाद सेवानिवृत्त हुए।

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

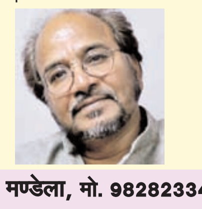

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

अब घाटी में...

हत्यारों जल्दी सुधरो सब,
वर्ना सेना मारेगी।
पाकिस्तानी मनसूबों का,
सारा जोश उतारेगी।
काश्मीर में फिजां अमन की,
जन के मन को तारेगी।
जीतेगी मानवता फिर से,
दानवता अब हारेगी।।

हिज्बुल्ला के उपप्रमुख ने नसरल्ला की मौत के बाद लड़ाई जारी रखने का संकल्प लिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेरूत/एपी। हिज्बुल्ला के उपनेता ने समूह के अधिकतर शीर्ष कमांडरों के मारे जाने के बावजूद सोमवार को इजराइल के खिलाफ लड़ाई जारी रखने का संकल्प लिया और कहा कि आतंकवादी समूह लंबे युद्ध के लिए तैयार है। हिज्बुल्ला के नेता हसन नसरल्ला भी इजराइली हमलों में मारे जाने वाले शीर्ष नेताओं में शामिल था।

पिछले 10 दिनों में इजराइली हमलों में नसरल्ला और हिजबुल्ला के छह शीर्ष कमांडर और अधिकारी मारे गए हैं। वहीं सेना का कहना है कि लेबनान के बड़े हिस्से में हजारों आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाया गया है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, पिछले दो सप्ताह में लेबनान में 1,000 से अधिक लोग मारे गए हैं, जिनमें से लगभग एक चौथाई महिलाएं और बच्चे हैं। सोमवार तड़के मध्य बेरूत में एक हवाई हमला हुआ, जिसमें एक आवासीय इमारत नष्ट हो गई और आस-पास के अन्य मकान क्षतिग्रस्त हो गए। हमले में तीन फलस्तीनी आतंकवादी मारे गए।

यमन के हुती विद्रोहियों ने अमेरिका निर्मित एक और ड्रोन को मार गिराने का दावा किया

दुबई/एपी। यमन के हुती विद्रोहियों ने सोमवार को दावा किया कि उन्होंने देश के ऊपर अमेरिका निर्मित एक और 'एमक्यू-9 रीपर' ड्रोन को मार गिराया। उन्होंने वीडियो भी साझा किया जिसमें कथित तौर पर सतह से हवा में मार करने वाली एक मिसाइल ड्रोन को निशाना बनाती दिखती है। अमेरिकी सेना ने इस बारे में तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की है।

नेपाल में बाढ़, भूस्खलन के कारण करीब 200 लोगों की मौत, बचाव अभियान जारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

काठमांडू/भाषा। नेपाल में बारिश के कारण आई बाढ़ और भूस्खलन से मरने वालों की संख्या सोमवार को बढ़कर लगभग 200 हो गई जबकि कम से कम 30 लोग अब भी लापता हैं। इसके साथ ही राहत और बचाव अभियान लगातार तीसरे दिन भी जारी रहा। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पिछले शुक्रवार से लगातार हो रही बारिश के कारण बाढ़ आई और जगह-जगह भूस्खलन हुआ, जिससे हिमालयी राष्ट्र में तबाही मच गई।

मायरिपब्लिका समाचार पोर्टल ने सशस्त्र पुलिस बल के हवाले से बताया कि लगातार बारिश, बाढ़, भूस्खलन और बाढ़ में कम से कम 204 लोग मारे गए हैं।

इसने कहा कि इस आपदा में देश भर में 89 लोग घायल भी हुए हैं, जबकि 33 अन्य लापता हैं।

सिंह दरबार स्थित प्रधानमंत्री कार्यालय में रविवार को कार्यवाहक प्रधानमंत्री प्रकाश मान सिंह द्वारा बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में भारी बारिश के कारण आई आपदा के दौरान बचाव, राहत और पुनर्वास प्रयासों को तेज करने का निर्णय लिया गया।

हिमाचल मस्जिद विवाद: हिंदू संगठनों की पुलिस से झड़प, मुस्लिम संगठन ने कहा 'कोई मस्जिद अवैध नहीं'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिमला/भाषा। हिमाचल प्रदेश में अवैध रूप से निर्मित मस्जिदों को गिराने की मांग को लेकर जारी विरोध प्रदर्शन के बीच एक मुस्लिम संगठन ने कहा कि राज्य में कोई भी अवैध मस्जिद नहीं है लेकिन सरकारी रिकॉर्ड में नक्शे को मंजूरी मिलने में देरी के कारण यह समस्या हो रही है।

मस्जिद को गिराने की मांग को लेकर कुल्लू में यात्रा निकालने वाले हिंदू संगठनों की सोमवार को पुलिस के साथ झड़प हो गई। 'हिंदू धर्म जागरण यात्रा' के प्रदर्शनकारियों ने कड़ी सुरक्षा के बीच हनुमान मंदिर से अखाड़ा मस्जिद तक मार्च निकाला। महिलाओं सहित बड़ी संख्या में लोगों ने भगवा झंडे और तख्तियां लेकर कुल्लू में मस्जिद को गिराने का आह्वान करते हुए यात्रा निकाली। स्थानीय वाद्ययंत्र बजाने वाले संगीतकार और पारंपरिक पोशाक में महिलाएं यात्रा की अगुवाई कर रही थीं।

अवैध रूप से निर्मित मस्जिदों को गिराने की मांग 30 अगस्त को शिमला के मलयाना इलाके में एक मुस्लिम नाई और एक हिंदू व्यापारी के बीच हुई हाथापाई के बाद शुरू हुई। ये हाथापाई बाद में सांप्रदायिक मुद्दे में तब्दील हो गई। हिंदू समूह कथित अवैध मस्जिदों को गिराने की मांग कर रहे हैं जबकि स्थानीय लोग राज्य में आने वाले बाहरी लोगों की पहचान करने की मांग कर रहे हैं। मंडी स्थित मुस्लिम कल्याण समिति के अध्यक्ष नहीम अहमद ने इस बीच सोमवार को 'पीटीआई-भाषा' से कहा, हिमाचल प्रदेश में कोई भी मस्जिद अवैध नहीं है लेकिन नक्शे को मंजूरी मिलने और अन्य संबंधित प्रक्रियाओं में देरी हुई है। अगर कोई भी हिस्सा अवैध पाया जाता है तो हम खुद ही संरचनाओं को हटा देंगे। उन्होंने कहा कि रविवार को मंडी के बल्ह क्षेत्र में मुस्लिम समुदाय के प्रतिनिधियों की एक बैठक हुई। अहमद ने कहा कि अल्पसंख्यक समुदाय की एक राज्य स्तरीय समिति गठित करने का निर्णय लिया गया और वे मौजूदा स्थिति से अवगत कराने के लिए मुख्यमंत्री से मिलेंगे। उन्होंने कहा कि मुस्लिम नेताओं का मानना है कि कुछ लोग नफरत फैला रहे हैं और इस तरह की हरकतों पर लगाम लगनी चाहिए।

भाजपा में कोई अंदरूनी कलह नहीं, तीसरी बार सरकार बनाने का भरोसा: मुख्यमंत्री सैनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नारनौल (हरियाणा)/भाषा। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में कोई अंदरूनी कलह नहीं है और उनकी पार्टी राज्य में तीसरी बार सरकार बनाएगी क्योंकि मतदाता कांग्रेस की ''झूठ की दुकान'' को स्थापित नहीं होने देंगे।

सैनी ने विपक्ष के नेता राहुल गांधी की 'हरियाणा संकल्प यात्रा' के दूसरे चरण से पहले कांग्रेस नेता पर निशाना साधते हुए उनकी यात्रा को ''राजनीतिक पर्यटन'' करार दिया। सैनी ने यहां 'पीटीआई भाषा' के साथ एक साक्षात्कार में कहा, ''हरियाणा में अब तक कांग्रेस का कोई भी वरिष्ठ नेता प्रचार नहीं कर रहा था और अब गांधी राजनीतिक पर्यटन पर निकल पड़े हैं। पिछले 10 साल में हमने राज्य में जो विकास किया है, उसे देखने के लिए उनका स्वागत है। हालांकि, उन्हें भूपेंद्र हुड्डा के कार्यकाल के 'खर्ची' और 'पर्ची' सिस्टम को लेकर मतदाताओं के सवालों का सामना करना पड़ेगा।''

भाजपा के दो वरिष्ठ नेताओं राव इंद्रजीत सिंह और अनिल विज के शीर्ष पद के लिए दावा पेश करने के बीच पार्टी में अंदरूनी कलह की खबरों को लेकर सैनी ने कहा कि पार्टी एकजुट है। सैनी को भाजपा ने मुख्यमंत्री पद के पार्टी उम्मीदवार के तौर पर मैदान में उतारा है। उन्होंने यहां कहा, ''कोई अंदरूनी कलह नहीं है, कोई गुटबाजी नहीं है, हम सब एकजुट हैं। वे (सिंह और विज) हमारे वरिष्ठ नेता हैं और हमारे चुनाव अभियान में सबसे आगे रहे हैं। भाजपा एक लोकतांत्रिक पार्टी है, कोई भी अपनी दावेदारी पेश कर सकता है। संसदीय बोर्ड फैसला करेगा और जो भी फैसला होगा वह हम सभी को स्वीकार्य होगा... कोई लड़ाई नहीं है, कोई लड़ाई नहीं होगी।'' सैनी ने कहा, ''मतदाताओं में कोई असमंजस की स्थिति नहीं है। वे भाजपा की 'डबल इंजन' सरकार के लिए मतदान करेंगे और हम राज्य में तीसरी बार जीत हासिल करेंगे। मुझे इसका पूरा भरोसा है।''

मार्च में मुख्यमंत्री पद का कार्यभार संभालने वाले सैनी इस बार लाडवा विधानसभा क्षेत्र से चुनावी मैदान में उतरे हैं। उन्होंने कहा, ''भाजपा में कोई विभाजन नहीं है लेकिन कांग्रेस निश्चित ही विभाजित है। वे (जब) अपने ही वरिष्ठ नेताओं तक का सम्मान नहीं करते तो वे जनता से किए गए अपने वादों का क्या सम्मान करेंगे। हरियाणा के मतदाता अब इतने समझदार हैं कि वे राज्य में कांग्रेस की ''झूठ की दुकान'' फिर से स्थापित नहीं होने देंगे।''

भारतपे ने अशनीर ग्रोवर के साथ समझौता किया, भारतपे से पूरी तरह अलग होंगे सह-संस्थापक

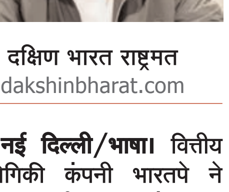

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनी भारतपे ने उसके पूर्व सह-संस्थापक अशनीर ग्रोवर के साथ समझौता कर लिया है। इसके साथ ही दोनों के बीच महीनों से जारी कानूनी और सार्वजनिक विवाद समाप्त हो गया। दोनों पक्षों ने सोमवार को यह जानकारी दी।

इस समझौते के तहत ग्रोवर किसी भी क्षमता में भारतपे से जुड़े नहीं रहेंगे और न ही उनके पास कंपनी के कोई शेयर होंगे। भारतपे और ग्रोवर ने अलग-अलग बयानों में कहा, ग्रोवर अपनी हिस्सेदारी का एक हिस्सा भारतपे के निदेशक मंडल को हस्तांतरित करेंगे और बाकी का प्रबंधन पारिवारिक न्यास द्वारा किया जाएगा। इससे वह कंपनी से पूरी तरह अलग हो जाएंगे। इसके अलावा दोनों पक्ष कानूनी मामलों को आगे नहीं बढ़ाएंगे।

यह समझौता दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) द्वारा भारतपे के कोष के दुरुपयोग के आरोप में दीपक गुप्ता को गिरफ्तार किए जाने के कुछ दिन बाद हुआ है। गुप्ता, अशनीर ग्रोवर की पत्नी माधुरी जैन ग्रोवर की बहन के पति हैं। भारतपे ने बयान में कहा, ''ग्रोवर के कुछ शेयर कंपनी के लाभ के लिए 'रेसिलिएंट ग्रोथ ट्रस्ट' को हस्तांतरित कर दिए जाएंगे और उनके शेष शेयरों का प्रबंधन उनके पारिवारिक न्यास द्वारा किया जाएगा।'' बयान में कहा गया, '' दोनों पक्षों ने दायर मामलों को आगे न बढ़ाने का फैसला किया है।'' ग्रोवर को मार्च 2022 में कंपनी के निदेशक मंडल ने भारतपे के प्रबंध निदेशक के पद से हटा दिया था।

अरब सागर पर अल एल, कतर एअरवेज विमानों से जुड़ी 'एअरप्रॉक्स' की घटना की जांच कर रहा एएआईबी

नई दिल्ली/भाषा। विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) इस वर्ष मार्च में अरब सागर पर अल एल इजराइल एअरलाइन और कतर एअरवेज के विमानों से जुड़ी 'एअरप्रॉक्स' की घटना की जांच कर रहा है और एजेंसी विमान और चालक दल से जुटाई गयी जानकारी का विश्लेषण कर रही है। सामान्य रूप से 'एअरप्रॉक्स' का संदर्भ हवाईक्षेत्र में दो विमानों के सुरक्षित दूरी छोड़कर नजदीक आने की प्रक्रिया से है। एएआईबी की घटना पर प्रारंभिक रिपोर्ट के मुताबिक, 24 मार्च को दोनों विमानों के बीच की न्यूनतम दूरी करीब 9.1 समुद्री मील या करीब एक मिनट थी जबकि सामान्य रूप से दो विमानों के बीच की दूरी 10 मिनट होनी चाहिए। घटना मुंबई उड़ान सूचना क्षेत्र में हुई। अल एएल इजराइल एयरलाइंस के बोइंग 777 विमान ने इजराइल से बैंकॉक के लिए उड़ान भरी थी जबकि कतर एअरवेज का बोइंग 777 विमान दोहा से माले के लिए निकला था। मुंबई उड़ान सूचना क्षेत्र में हुई इस घटना की जांच एएआईबी कर रहा है।

प्रारंभिक रिपोर्ट में एएआईबी ने बताया कि मुंबई एटीएस इकाई स्थित भारतीय हवाई अड्डा प्राधिकरण के दौरे के दौरान एकत्र किए गए साक्ष्यों का विश्लेषण किया जा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, अल एएल इजराइल एयरलाइंस लिमिटेड और कतर एअरवेज से संबंधित विमान और चालक दल से संबंधित दस्तावेजों और आंकड़ों का विश्लेषण किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री आतिशी और मंत्रियों ने किया सड़कों का निरीक्षण

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय राजधानी को दीपावली तक गड्ढा मुक्त बनाने के लिए मुख्यमंत्री आतिशी के नेतृत्व में दिल्ली के कैबिनेट मंत्रियों ने सोमवार को सुबह-सुबह क्षतिग्रस्त सड़कों का निरीक्षण किया। आतिशी ने लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के इंजीनियरों के साथ दक्षिण और दक्षिण-पूर्व दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा किया। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा कि एनएसआईसी ओखला, मोदी मिल फ्लाईओवर, चिराग दिल्ली, तुगलकाबाद, मथुरा रोड, आश्रम चौक और उसके अंडरपास की सड़कें खस्ताहाल पाई गईं। उन्होंने लिखा कि इन सड़कों पर गड्ढों के कारण लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को युद्ध स्तर पर मरम्मत कार्य शुरू करने का निर्देश दिया और कहा, ''अरविंद केजरीवाल के मार्गदर्शन में हमारा प्रयास है कि दीपावली तक दिल्ली के लोगों को गड्ढा मुक्त सड़कें मिलें।''

मंत्री सौरभ भारद्वाज और पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने पूर्वी दिल्ली की सड़कों का निरीक्षण किया। सिसोदिया ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने दिल्ली के लोगों के लिए आम आदमी पार्टी (आप) सरकार द्वारा किए जा रहे कार्यों को बाधित करने के उद्देश्य से उन्हें और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को फर्जी मामलों में जेल भेजा। उन्होंने कहा कि इसके कारण सड़कों की हालत खराब हो गई है।

उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं के उपकरणों की आपूर्तिकर्ताओं को संरक्षण की जरूरत: उद्योग जगत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उद्योग जगत ने सोमवार को कहा कि टिकाऊ उपभोक्ता सामान के लिए उपकरण बनाने वाली कंपनियों को शुल्क या गैर-शुल्क बाधाओं से संरक्षित किया जाना चाहिए, ताकि वे भारत में स्थानीयकरण को सफल बनाने के लिए निवेश कर सकें।

भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) द्वारा उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक और टिकाऊ सामान पर आयोजित शिखर सम्मेलन में उद्योग प्रतिनिधियों ने कहा कि मूल उपकरण विनिर्माताओं (ओईएम) को लागत कम करने और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी होने को लेकर घरेलू उद्योग के लिए आपूर्तिकर्ता परिवेश विकसित करने में भी निवेश करना होगा। गोदरेज अप्लायंसेज के कारोबार प्रमुख और कार्यकारी उपाध्यक्ष कमल नंदी ने सम्मेलन में कहा, ''उपकरण विक्रेताओं को निवेश करने के लिए विश्वास दिलाने को लेकर संरक्षण होनी चाहिए। इसलिए शुल्क बाधाएं बेहद महत्वपूर्ण है।'' रेफ्रिजरेटर के लिए कम्प्रेसर का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा, '' देश में 1.8 करोड़ की क्षमता के साथ हम अब भी रेफ्रिजरेटर कम्प्रेसर का आयात करते हैं, जबकि बाजार केवल 1.4 करोड़ का है। क्षमता होने के बावजूद हम इसका इस्तेमाल नहीं कर रहे हैं और हम स्वदेशीकरण की बात कर रहे हैं।'' नंदी ने कहा, '' हमें शुल्क बाधाएं या गैर-शुल्क बाधाएं खड़ी करनी होंगी, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि इस परिवेश में आने वाले विक्रेता विनिर्माण में निवेश करने और परिवेश का हिस्सा बनने को लेकर आश्वस्त हों।''

महाराष्ट्र सरकार ने देसी गायों को 'राज्यमाता-गोमाता' घोषित किया

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र सरकार ने वैदिक काल से देशी गायों के महत्व को देखते हुए सोमवार को उन्हें 'राज्यमाता-गोमाता' घोषित किया। एक आधिकारिक अधिसूचना में यह जानकारी दी गई।

राज्य के कृषि, डेरी विकास, पशुपालन एवं मत्स्य पालन विभाग द्वारा जारी अधिसूचना में कहा गया है कि इस कदम के पीछे अन्य कारकों में मानव पोषण में देशी गाय के दूध का महत्व, आयुर्वेदिक एवं पंचगव्य उपचार के लिए उपयोग और जैविक खेती में गाय के गोबर से बने खाद का इस्तेमाल शामिल है। यह घोषणा ऐसे समय में की गई है, जब राज्य विधानसभा चुनाव जल्द ही होने की संभावना है। एक अधिकारी ने बताया कि राज्य सरकार का यह फैसला भारतीय समाज में गाय के आध्यात्मिक, वैज्ञानिक और ऐतिहासिक महत्व को रेखांकित करता है। यह कदम भारत के सांस्कृतिक परिदृश्य में सदियों से गायों की अभिन्न भूमिका को प्रदर्शित करता है। अधिकारी ने कहा कि यह निर्णय लेकर राज्य सरकार ने गाय के गोबर के कृषि लाभों को भी रेखांकित किया है, जो मिट्टी की उर्वरता बढ़ाता है।

लघु बचत योजनाओं की ब्याज दरों में इस बार भी नहीं हुआ बदलाव

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने सार्वजनिक भविष्य निधि (पीपीएफ) एवं अन्य लघु बचत योजनाओं पर चालू वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही के लिए ब्याज दरों में कोई भी बदलाव नहीं करने की सोमवार को घोषणा की। इस तरह सरकार ने तीन तिमाहियों से ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया है। पिछली बार वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही के लिए कुछ योजनाओं की दरों में बदलाव किया गया था। वित्त मंत्रालय ने अपनी एक अधिसूचना में कहा, ''वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही (एक अक्टूबर से 31 दिसंबर, 2024 तक) के लिए विभिन्न लघु बचत योजनाओं पर ब्याज दरें दूसरी तिमाही (एक जुलाई से 30 सितंबर, 2024 तक) के लिए अधिसूचित दरों के समान ही रहेंगी।''

अधिसूचना के मुताबिक, सुकन्या समृद्धि योजना के तहत जमा पर पहले की तरह 8.2 प्रतिशत की दर से ब्याज मिलेगा जबकि तीन साल की सावधि जमा पर ब्याज दर 7.1 प्रतिशत रहेगी।

इसके अलावा पीपीएफ और डाकघर बचत जमा योजना के लिए ब्याज दरें भी क्रमश: 7.1 प्रतिशत और चार प्रतिशत पर बनी रहेंगी।

किसान विकास पत्र पर ब्याज दर 7.5 प्रतिशत होगी तथा यह निवेश 115 महीनों में परिपक्व होगा। वहीं राष्ट्रीय बचत पत्र (एनएससी) पर ब्याज दर 7.7 प्रतिशत रहेगी।

अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में भी डाकघर मासिक आय योजना के निवेशकों को पहले की तरह 7.4 प्रतिशत की दर से ब्याज मिलेगा।

सरकार डाकघरों और बैंकों द्वारा संचालित इन लघु बचत योजनाओं के लिए हर तिमाही में ब्याज दरों को अधिसूचित करती है।

अदाणी समूह की तीन कंपनियां विश्व आर्थिक मंच की 'क्लुस्टर' पहल में शामिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

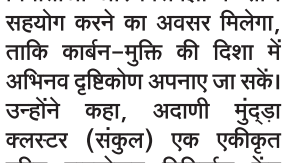

नई दिल्ली/भाषा। अदाणी समूह की तीन कंपनियां- अदाणी न्यू इंडस्ट्रीज लिमिटेड, अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड (एपीएसईजेड) और अंबुजा सीमेंट्स, विश्व आर्थिक मंच की 'रूपांतरकारी औद्योगिक 'क्लस्टर' पहल का हिस्सा बनी हैं और इससे अदाणी मुंदड़ा 'क्लस्टर' का निर्माण हुआ है।

अदाणी समूह ने सोमवार को एक बयान में कहा कि विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की इस पहल का उद्देश्य एक जगह पर स्थित कंपनियों के बीच सहयोग बढ़ाना और उनके दृष्टिकोण में सामंजस्य बिठाना है। इसके पीछे आर्थिक वृद्धि को रफ्तार देने, रोजगार सृजन और 2050 तक कार्बन उत्सर्जन खत्म करने का उद्देश्य है। एपीएसईजेड के प्रबंध निदेशक और अंबुजा सीमेंट्स के निदेशक करण अदाणी ने कहा, डब्ल्यूईएफ पहल में शामिल होने से हस्ताक्षरकर्ताओं को वैश्विक उद्योग के साथियों, शोध संस्थानों, नीति निर्माताओं और विशेषज्ञों के साथ सहयोग करने का अवसर मिलेगा, ताकि कार्बन-मुक्ति की दिशा में अभिनव दृष्टिकोण अपनाए जा सकें। उन्होंने कहा, अदाणी मुंदड़ा क्लस्टर (संकुल) एक एकीकृत हरित हाइड्रोजन विनिर्माण केंद्र बनने की आकांक्षा रखता है, जो भारतीय अर्थव्यवस्था में उत्सर्जन कटौती और ऊर्जा आयात पर देश की निर्भरता को कम करने में मदद करता है। डब्ल्यूईएफ की कार्यसमिति के सदस्य रॉबर्टो बोका ने कहा, हमें 23 औद्योगिक संकुलों के अपने अंतरराष्ट्रीय समुदाय में भारत के पहले दो संकुलों में से एक के रूप में अदाणी मुंदड़ा संकुल का स्वागत करते हुए खुशी हो रही है। गुजरात की महत्वपूर्ण नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता का इस्तेमाल कर यह संकुल दक्षिण एशिया में हरित हाइड्रोजन के अग्रणी केंद्र में से एक बनने की राह पर है।

घरेलू शेयर बाजारों में बड़ी गिरावट, सेंसेक्स 1,272 अंक फिसला

मुंबई/भाषा। पश्चिमी एशिया में बढ़ते तनाव और जापानी बाजार में कमजोर रुख के बीच सोमवार को घरेलू शेयर बाजारों में दिग्गज कंपनियों के शेयरों में बिकवाली का जोर रहने से बड़ी गिरावट आई। सेंसेक्स 1,272 अंक फिसल गया जबकि निफ्टी ने 368 अंक का गोता लगाया।

विश्लेषकों ने कहा कि रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईसीआईसीआई बैंक और एचडीएफसी बैंक में भारी बिकवाली के अलावा विदेशी पूंजी की निकासी होने से भी बाजार में गिरावट रही। बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स 1272.07 अंक यानी 1.49 प्रतिशत लुढ़क कर 84,299.78 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय सेंसेक्स 1,314.71 अंक तक फिसलकर 84,257.14 पर आ गया था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का मानक सूचकांक निफ्टी भी 368.10 अंक यानी 1.41 प्रतिशत की बड़ी गिरावट के साथ 25,810.85 अंक पर बंद हुआ।

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के खुदरा शोध प्रमुख दीपक जसानी ने कहा, निफ्टी के लिए पिछले दो महीनों का सबसे खराब दिन रहा। एशियाई बाजारों में कमजोरी, पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और चीन सरकार के प्रोत्साहन वाले कदमों से विदेशी पूंजी के चीन का रुख करने की आशंका से बाजार को तगड़ा झटका लगा।

सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में से रिलायंस इंडस्ट्रीज और एक्सिस बैंक के शेयरों में तीन प्रतिशत से अधिक की गिरावट दर्ज की गई। इनके अलावा आईसीआईसीआई बैंक, नेस्ले, टेक महिंद्रा, महिंद्रा एंड महिंद्रा, मारुति सुजुकी, बजाज फिनसर्व, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और टाटा मोटर्स में भी गिरावट का रुख रहा। दूसरी तरफ जेएसडब्ल्यू स्टील, एनटीपीसी, टाटा स्टील, टाइटन और एशियन पेंट्स के शेयरों में तेजी दर्ज की गई।

राहुल गांधी ने भाजपा की 'उद्योगपति समर्थक' नीतियों की आलोचना की

चंडीगढ़/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोमवार को नरेन्द्र मोदी सरकार पर उद्योगपतियों के लिए काम करने का आरोप लगाया और दावा किया कि जैसे ''सुनामी आती है, वैसे ही गौतम अदाणी के बैंक खाते में पैसे आते रहते हैं'', जबकि आम आदमी संघर्ष करता रहता है। उन्होंने दावा किया कांग्रेस हरियाणा में सरकार बनाएगी व बदलाव लाएगी। अंबाला जिले के नारायणगढ़ में एक रैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा कि लड़ाई कांग्रेस और भाजपा तथा उनकी विचारधाराओं के बीच है। उन्होंने कहा, ''एक तरफ न्याय और दूसरी तरफ अन्याय है।''

रैली के दौरान महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा और हरियाणा के वरिष्ठ कांग्रेस नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा तथा कुमारी सैलजा भी उपस्थित रहे। भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए राहुल गांधी ने कहा कि यह सरकार बड़े उद्योगपतियों की है। उन्होंने कहा, ''हरियाणा में हमें ऐसी सरकार नहीं चाहिए, बल्कि किसानों, मजदूरों और गरीबों की सरकार चाहिए।'' अमेरिका की यात्रा का जिक्र करते हुए कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि उन्होंने वहां हरियाणा के कुछ प्रवासियों से मुलाकात की जो बेहतर भविष्य की तलाश में वहां गए थे क्योंकि उन्हें अपने गृह राज्य में रोजगार के अवसर नहीं मिल पा रहे थे।

संविधान 'बदलने' की बात करने वालों को बदल देना चाहिए: प्रियंका

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अंबाला/भाषा। कांग्रेस महासचिव प्रियंका वाद्रा ने सोमवार को हरियाणा की भारतीय जनता पार्टी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि राज्य के लोगों को उन लोगों को बदल देना चाहिए, जो संविधान ''बदलने'' की बात करते हैं और हर स्तर पर उसका ''अपमान'' करते हैं।

हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए अपनी पहली चुनावी रैली में उन्होंने यह भी कहा कि राज्य के लोगों ने हमेशा देश की रक्षा की है। उन्होंने कहा, ''किसानों, जवानों और खिलाड़ियों ने देश का सम्मान बरकरार रखा है।'' उन्होंने आरोप लगाया, ''भाजपा पिछले 10 वर्षों से हरियाणा में सरकार में है। उन्होंने इस सम्मान की रक्षा के बदले में आपको क्या दिया? उन्होंने (भाजपा सरकार) हर स्तर पर आपका अपमान किया।'' उन्होंने सभा में उपस्थित लोगों से पूछा, ''यहां बहुत बेरोजगारी है। आपमें से कितने लोगों को रोजगार मिला।'' किसानों के मुद्दों पर भाजपा सरकार पर हमला करते हुए उन्होंने कहा, ''आपने उनके खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया और आपको आंसू गैस के गोले मिले और आपको लाठियां मिलीं। आपकी बात नहीं सुनी गई।'' प्रियंका ने 24 फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) देने के भाजपा सरकार के दावे पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा कि उन 24 में से 10 फसलें यहां नहीं उगाई जाती हैं। उन्होंने आरोप लगाया, ''आपको धोखा दिया गया।'' कांग्रेस महासचिव ने कहा कि लोग महंगाई से लड़ रहे हैं और संघर्ष कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, ''सरकार आपके लिए कुछ नहीं कर रही है। जहां भी देखें, घोटाले पर घोटाले देखने को मिलते हैं। आज आपका भविष्य क्या है।'' उन्होंने कहा, ''अगर आप न्याय चाहते हैं, तो इस सरकार को उखाड़ फेंकिए। इस सरकार को हटा दीजिए। आपको इस सरकार से कुछ भी नहीं मिला।''

हिटलर के बाद नेतन्याहू सबसे बड़े आतंकवादी: महबूबा मुफ्ती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने सोमवार को कहा कि इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ''एडॉल्फ हिटलर के बाद सबसे बड़े आतंकवादी'' हैं क्योंकि यहूदी नेता ने फलस्तीन और लेबनान को ''गैस चैंबर'' में बदल दिया है।

महबूबा ने पूर्व में इजराइल के हवाई हमले में हिज्बुल्ला के नेता हसन नसरल्ला के मारे जाने की निंदा की थी और लेबनान तथा फलस्तीन के प्रति समर्थन व्यक्त करते हुए अपना चुनाव प्रचार कार्यक्रम एक दिन के लिए रद्द कर दिया था। उन्होंने पीटीआई की वीडियो सेवा से कहा, ''अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय ने नेतन्याहू के खिलाफ फैसला सुनाया है। इस (लेबनान में हमले) घटना ने साबित कर दिया है कि वह वास्तव में एक अपराधी हैं जिन्होंने फलस्तीन में हजारों लोगों की हत्या की है और अब लेबनान में भी वही कर रहे हैं। इसकी कोई भी निंदा पर्याप्त नहीं है।'' नेतन्याहू को ''हिटलर के बाद सबसे बड़ा आतंकवादी'' करार देते हुए पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, ''हिटलर ने लोगों को मारने के लिए गैस चैंबर बनाए लेकिन नेतन्याहू ने फलस्तीन और लेबनान को गैस चैंबर में बदल दिया है जहां वे हजारों लोगों को मार रहे हैं।''

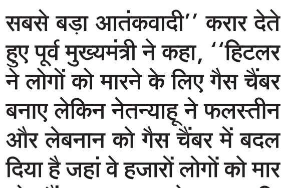

महबूबा ने कहा कि नेतन्याहू शासन के साथ संबंध रखने का भारत सरकार का फैसला गलत है। उन्होंने कहा, ''हम महात्मा गांधी के समय से ही फलस्तीन के साथ खड़े रहे हैं। ऐसे शासन के साथ संबंध रखना और लोगों को मारने के लिए इस्तेमाल किए जा रहे हथियारों और ड्रोन की आपूर्ति करना, मुझे लगता है, एक गलत निर्णय है।'' हिज्बुल्ला प्रमुख हसन नसरल्ला को शहीद बताने वाले उनके पोस्ट की भाजपा द्वारा आलोचना किए जाने संबंधी सवाल पर महबूबा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी को हत्या के खिलाफ देश में ''आक्रोश'' को देखना चाहिए। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की मुखिया ने कहा, ''भाजपा मुझे क्या बताएगी? ये वही लोग हैं जो कठुआ में आठ साल की बच्ची के बलात्कारियों के साथ खड़े थे। वो दोषी आज अपनी सज़ा काट रहे हैं। मुझे बलात्कारियों का समर्थन करने पर उनके दो मंत्रियों को हटाना पड़ा।'' उन्होंने कहा, ''वे (भाजपा) फलस्तीन के लोगों के लिए नसरल्ला के लंबे संघर्ष के बारे में क्या जानते हैं? उन्हें देखना चाहिए कि कितने लोग कश्मीर, लखनऊ और देश के अन्य हिस्सों में बाहर आ रहे हैं और शहीद के लिए नारे लगा रहे हैं।

चेन्नई डिवीजन ने बड़े पैमाने पर स्वच्छता अभियान शुरू किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। दक्षिण रेलवे के चेन्नई डिवीजन ने 30 सितंबर को 83 रेलवे स्टेशनों पर स्वच्छता ही सेवा (एसएचएस) अभियान के एक हिस्से के रूप में बड़े पैमाने पर सफाई अभियान शुरू किया। 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक चलने वाली यह पहल तक चलने वाले इस कार्यक्रम का उद्देश्य रेलवे परिसर में स्वच्छता, स्वास्थ्य और सफाई को बढ़ावा देना है।

चेन्नई मंडल के मंडल रेल प्रबंधक बी. विश्वनाथ ईर्या ने डॉ. एमजीआर सेंट्रल रेलवे स्टेशन पर सामूहिक स्वच्छता अभियान का शुभारंभ किया। इस कार्यक्रम में रेलवे बाला भवन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, अयनावरम के 50 छात्रों, एनसीसी कैडेटों, छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। जया स्कूल और कॉलेज, तिरुनिनरावुर और रवींद्रनाथ टैगोर स्काउट्स और गाइड्स, वल्लुवर स्काउट्स और वासुकी गाइड्स और भारती स्काउट्स समूह के सदस्यों ने भी इस श्रमदान अभियान में हाथ बंटाया। इसके अलावा, 100 सफाई कर्मचारियों ने भी इस श्रमदान अभियान में हाथ बंटाया। प्रतिभागियों ने स्वच्छता-विषयक तख्तियां थामे स्टेशन के चारों ओर रैली निकाली और स्वच्छ रेल - स्वच्छ भारत का संदेश दिया। श्रमदान गतिविधियां डॉ. एमजीआर सेंट्रल रेलवे स्टेशन और चेन्नई सेंट्रल उपनगरीय टर्मिनल और परिसर में आयोजित की गईं। श्री सहित वरिष्ठ अधिकारी श्रमदान गतिविधियों में चेन्नई मंडल के अपर मंडल रेल प्रबंधक तेज प्रताप सिंह और अंकुर चौहान तथा कर्मचारियों ने भाग लिया।

इस अभियान में राजस्थान एसोसिएशन ऑफ तमिलनाडु और मद्रास हायर परचेज एसोसिएशन सहित गैर सरकारी संगठनों की सक्रिय भागीदारी देखी गई। सभी 83 रेलवे स्टेशनों पर स्कूल और कॉलेज के छात्रों, स्काउट्स, गाइड्स, एनसीसी कैडेट्स, गैर सरकारी संगठनों और स्वयंसेवकों ने रेलवे कर्मचारियों, यात्रियों और रेलवे कर्मचारियों के साथ मिलकर काम किया। जन स्वच्छता अभियान को सफल बनाने के लिए आम जनता से अपील की गई।

सफाई गतिविधियों में जन भागीदारी समाज की समग्र भलाई में योगदान देने तथा स्वच्छ, हरित और स्वस्थ पर्यावरण को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

कानपुर सेंट्रल और मदुरै के बीच विशेष ट्रेनें

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। दक्षिण रेलवे से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार उत्तर मध्य रेलवे ने दिवाली, छठ त्योहारों के दौरान अतिरिक्त भीड़ को नियंत्रित करने के लिए कानपुर-मदुरै सेक्टर में विशेष ट्रेन की 13 फेरे लगाने की अधिसूचना जारी की है।

ट्रेन संख्या 01927 कानपुर सेंट्रल-मदुरै साप्ताहिक स्पेशल 09, 16, 23, 30 अक्टूबर, 06, 13, 20, 27 नवंबर, 04, 11, 18, 25 दिसंबर और 01 जनवरी (बुधवार) को कानपुर सेंट्रल से 12.30 बजे रवाना होगी और तीसरे दिन 09.30 बजे मदुरै पहुंचेगी।

वापसी में ट्रेन संख्या 01928 मदुरै-कानपुर सेंट्रल साप्ताहिक स्पेशल 11, 18, 25 अक्टूबर, 01, 08, 15, 22, 29 नवंबर, 06, 13, 20, 27 दिसंबर, और 03 जनवरी (शुक्रवार) को मदुरै से 23.35 बजे रवाना होगी और तीसरे दिन 22.20 बजे कानपुर सेंट्रल पहुंचेगी। इस ट्रेन में एक एसी प्रथम श्रेणी सह एसी टू टियर कोच, तीन एसी थ्री टियर कोच, सात स्लीपर क्लास कोच, आठ सामान्य द्वितीय श्रेणी कोच और दो द्वितीय श्रेणी कोच (दिव्यांगजन अनुकूल) कोच होंगे।

केरल के मंत्री ने जेपीसी अध्यक्ष के साथ बैठक में वक्फ संशोधन विधेयक को लेकर चिंता जतायी

तिरुवनंतपुरम। केरल के वक्फ एवं हज तीर्थयात्रा मंत्री वी अब्दुर्रहीमान ने चेन्नई में संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के अध्यक्ष जगदंबिका पाल के साथ एक बैठक के दौरान वक्फ संशोधन विधेयक पर आपत्तियां और चिंताएं जतायी हैं। केरल वक्फ बोर्ड के चेयरमैन एम के साकिर भी बैठक में मौजूद थे। मंत्री ने इससे पहले केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू से मुलाकात कर उन्हें अपनी चिंताओं से अवगत कराया था। विज्ञप्ति के अनुसार, केरल में लगभग 12,000 पंजीकृत वक्फ संपत्तियां हैं, तथा उतनी ही संख्या में गैर पंजीकृत संपत्तियां भी हैं। विज्ञप्ति में कहा गया है, इस स्थिति को देखते हुए, मंत्री ने केरल में जेपीसी की एक विशेष बैठक का अनुरोध किया ताकि वक्फ संशोधनों के बारे में राज्य के विभिन्न वर्गों से राय एकत्र की जा सके।

जेपीसी अध्यक्ष ने संकेत दिया कि इस अनुरोध पर विचार किया जाएगा। मंत्री ने मांग की कि वक्फ के मूल सिद्धांतों के खिलाफ जाने वाले किसी भी संशोधन को वापस लिया जाना चाहिए। दस अगस्त को केरल में वक्फ संशोधनों का विस्तार से विश्लेषण करने के लिए एक कार्यशाला आयोजित की गई थी। विज्ञप्ति में कहा गया है, कार्यशाला का निष्कर्ष यह था कि केंद्र सरकार को संशोधन वापस लेना चाहिए। कार्यशाला के सुझाव कि संशोधन वक्फ संस्थानों पर किस तरह से नकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं, जेपीसी को सौंपे गए हैं।

केन्द्रीय मंत्री कुमारस्वामी ने सेलम स्टील प्लांट का दौरा किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सेलम। केंद्रीय भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने सोमवार को सेलम में इस्पात मंत्रालय के तहत संचालित इस्पात संयंत्र का निरीक्षण किया। केन्द्रीय मंत्री ने इसके पूर्व भद्रावती में सर एम. विश्वेश्वरैया लौह एवं इस्पात संयंत्र, विजाग इस्पात संयंत्र, छत्तीसगढ़ में एनएमडीसीएल इस्पात संयंत्र और भिलाई इस्पात संयंत्र का दौरा किया था। उसी कड़ी में सेलम इस्पात संयंत्र का निरीक्षण किया। भारतीय इस्पात प्राधिकरण के अध्यक्ष अमरेंदु प्रकाश और इस्पात मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ, मंत्री ने संयंत्र के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक सुरेश चंद्र पांडे से संयंत्र के संचालन और इस्पात उत्पादन के बारे में जानकारी प्राप्त की। सेलम संयंत्र स्टेनलेस स्टील रोल बनाने के लिए प्रसिद्ध है, और इस दौरे के दौरान, मंत्री ने व्यक्तिगत रूप से रोल उत्पादन प्रक्रिया का अवलोकन किया। उन्होंने नट, बोल्ट और सिक्के बनाने वाले अनुभाग का भी दौरा किया।

संयंत्र के दौरे के बाद केंद्रीय मंत्री ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की। प्रस्तुतियों के माध्यम से पूरे संयंत्र के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त करने के बाद मंत्री ने वहां आने वाली विभिन्न चुनौतियों और मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने अधिकारियों से उत्पादन स्तर बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया और प्रधानमंत्री द्वारा निर्धारित 300 मिलियन टन इस्पात का वार्षिक उत्पादन प्राप्त करने के लक्ष्य के बारे में विस्तार से बताया। 2044 तक विकसित भारत के लक्ष्य के अनुरूप, मंत्री ने आश्वासन दिया कि प्रधानमंत्री द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए सभी को लगन से काम करना होगा और संयंत्र के लिए सभी आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए जाएंगे।

अन्नामलाई ने उदयनिधि के उपमुख्यमंत्री बनने को लेकर द्रमुक पर तंज किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। उदयनिधि स्टालिन को उपमुख्यमंत्री बनाए जाने को लेकर सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) पर निशाना साधते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने तंज किया कि कुछ विशेष लोगों पर ही कृपा होती है और सूरज सिर्फ उन्हीं के लिए 'चमक' रहा है।

सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में अन्नामलाई ने कहा, ''पिछले 40 महीने से सूरज कुछ खास लोगों के लिए चमक' रहा है और बाकी लोगों के लिए ग्रहण' है। लोग अब समझ गए हैं कि ''विदियल'' शब्द का वास्तव में क्या अर्थ है : अपने, परिवार और नाते रिश्तेदारों के लिए विदियल।''

तमिल शब्द ''विदियल'' का अर्थ ''भोर'' होता है और यह शब्द 2021 के विधानसभा चुनाव से पहले द्रमुक के चुनावी अभियान का हिस्सा था। इसके बाद भाजपा नेता द्वारा पोस्ट किए गए एक मीम के जरिए सत्तारूढ़ पार्टी पर 'भाई-भतीजावाद' को बढ़ावा देने का आरोप लगाया गया। मीम में उदयनिधि सहित उन नेताओं की तस्वीरें थीं, जो द्रमुक के प्रमुख राजनीतिक परिवारों से ताल्लुक रखते हैं।

धनशोधन मामले में चेन्नई की अदालत के समक्ष पेश हुए सेंथिल बालाजी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मंत्री वी. सेंथिल बालाजी धनशोधन के एक मामले में सोमवार को एक सत्र अदालत के समक्ष पेश हुए। बालाजी को पिछले सप्ताह उच्चतम न्यायालय से जमानत मिलने के बाद पुझल जेल से रिहा किया गया था। प्रधान सत्र न्यायाधीश एस. कार्तिकेयन ने मामले की अगली सुनवाई 4 अक्टूबर तक के लिए स्थगित कर दी। सेंथिल बालाजी न्यायाधीश कार्तिकेयन के समक्ष ही पेश हुए थे।

जब मामला सुनवाई के लिए आया तो प्रवर्तन निदेशालय ने मंत्री द्वारा दायर उस याचिका पर अपना जवाबी हलफनामा दाखिल किया, जिसमें जांच अवधि के दौरान काम करने वाले बैंक अधिकारियों का विवरण मांगा गया था। प्रवर्तन निदेशालय ने बालाजी को पिछले साल गिरफ्तार किया था।

ईडी की ओर से पेश हुए विशेष लोक अभियोजक एन रमेश ने कहा कि सेंथिल बालाजी द्वारा दायर याचिका विचारणीय नहीं है। उन्होंने कहा कि याचिकाकर्ता कार्यवाही को लंबा खींचने का प्रयास कर रहा है, इसलिए, अदालत याचिका को खारिज कर सकती है। बालाजी की ओर से पेश हुए अधिवक्ता गौतमन ने कहा कि याचिका विचारणीय है। उन्होंने कहा कि बैंक अधिकारियों का विवरण मामले के लिए प्रासंगिक है, इसलिए अदालत ईडी को बैंक अधिकारियों का विवरण प्रदान करने का निर्देश दे सकती है। रमेश ने कहा कि फोरेंसिक साइंस कंप्यूटर विभाग के सहायक निदेशक मणिवनन, जिनसे अभियोजन पक्ष ने 19 सितंबर को जिरह की थी, स्वास्थ्य समस्याओं के कारण 26 सितंबर को अदालत में पेश नहीं हुए। उन्होंने कहा कि मणिवनन सोमवार को भी जिरह के लिए नहीं आए। मणिवनन को गवाह वारंट जारी करने का आदेश देते हुए न्यायाधीश ने मामले की सुनवाई 4 अक्टूबर तक के लिए स्थगित कर दी।

बालाजी को 14 जून, 2023 को ईडी ने नौकरी के लिए नकदी घोटाले से जुड़े एक धनशोधन मामले में गिरफ्तार किया था, जब वह तत्कालीन एआईएडीएमके शासन के दौरान परिवहन मंत्री (2011-15) थे। ईडी ने 12 अगस्त, 2023 को बालाजी के खिलाफ 3,000 पृष्ठों का एक आरोपपत्र दाखिल किया था।

न्यायमूर्ति शमीम अहमद ने मद्रास उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में शपथ ली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। न्यायमूर्ति शमीम अहमद ने सोमवार को मद्रास उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में शपथ ली जिसके बाद उच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की संख्या 67 हो गई है।

मुख्य न्यायाधीश के. आर. श्रीराम ने न्यायमूर्ति अहमद को उच्च न्यायालय के परिसर में एक सादे समारोह में पद की शपथ दिलाई। न्यायमूर्ति शमीम अहमद का इलाहाबाद उच्च न्यायालय से तबादला हुआ है। अहमद की नियुक्ति के साथ मद्रास उच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की संख्या 67 हो गई है जबकि स्वीकृत पद 75 हैं। महाधिवक्ता पी. एस. रमन ने कार्यक्रम के दौरान स्वागत भाषण दिया, जबकि तमिलनाडु और पुडुचेरी बार काउंसिल के अध्यक्ष पी. एस. अमलराज तथा विभिन्न अन्य अधिवक्ता संघों के अध्यक्षों ने नए न्यायाधीश का स्वागत किया। न्यायमूर्ति शमीम अहमद ने इसके प्रत्युत्तर में न्यायाधीशों एवं अधिवक्ताओं को धन्यवाद दिया। वर्ष 1966 में इलाहाबाद में जन्मे न्यायमूर्ति शमीम अहमद ने 1993 में कानून की डिग्री हासिल की और बतौर वकील वकालत शुरू की। उन्हें 2019 में इलाहाबाद उच्च न्यायालय का अतिरिक्त न्यायाधीश नियुक्त किया गया और 2021 में वह वहां स्थायी न्यायाधीश बने।

मदुरै के स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी, छात्रों को घर भेजा गया

मदुरै। तमिलनाडु में सोमवार को नारिमेदु स्थित केंद्रीय विद्यालय सहित कुछ स्कूलों को कथित तौर पर बम से उड़ाने की धमकी दी गई। धमकी के बाद से अभिभावकों और स्कूल प्रबंधन में दहशत फैल गई और प्रबंधन को बच्चों को जल्दी घर भेजने पर मजबूर होना पड़ा।

बम तलाशी एवं निरोधक दस्ते (बीडीडीएस) सहित पुलिस की टीमें केंद्रीय विद्यालय और शहर के तीन अन्य स्कूलों में पहुंचीं तथा गहन जांच की। एहतियात के तौर पर अग्निशमन और बचाव सेवा कर्मियों को भी स्कूलों में भेजा गया। पुलिस अधिकारी ने कहा, ईमेल के जरिए स्कूलों को दी गई बम की धमकी एक अफवाह प्रतीत होती है। अज्ञात प्रेषक की पहचान का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है। प्रसारित हो रहे वीडियो में माता-पिता अपने बच्चों को घर ले जाते हुए दिखाई दे रहे हैं। एक अभिभावक ने बताया कि स्कूल प्रबंधन द्वारा मैसेज किए जाने के बाद वह सुबह अपने बेटे को लेने के लिए स्कूल पहुंचे।

'प्रधानमंत्री पर खरगे की टिप्पणी कांग्रेस की जहरीली सोच को उजागर करती है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय प्रवक्ता सी आर केसवन ने सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बारे में कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे की टिप्पणी ने कांग्रेस नेताओं की ''जहर भरी बीमार सोच'' को उजागर कर दिया है और लोग आने वाले दिनों में उचित जवाब देंगे।

केसवन ने कहा कि खरगे की नफरती टिप्पणी उनकी नहीं बल्कि उनके आका' की आवाज, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की झलक है, जिन्होंने हर मौके पर भारत और विदेश में प्रधानमंत्री पर व्यक्तिगत रूप से हमला करने, उन्हें नीचा दिखाने और उनका अपमान करने की कोशिश की।

राष्ट्रीय प्रवक्ता सी आर केसवन ने पीटीआई वीडियो से कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ खरगे की जहरीली निजी टिप्पणी स्पष्ट रूप से कांग्रेस नेतृत्व की जहर और जहर से भरी बीमार सोच को उजागर करती है।

खरगे ने जम्मू कश्मीर में एक रैली में कहा था कि वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को सत्ता से हटाने से पहले मरने वाले नहीं हैं।

सी आर केसवन ने कहा, स्पष्ट विरोधाभास देखिए, खरगे द्वारा कल प्रधानमंत्री पर हमले के बाद भी, उच्चतम संस्कार और परंपरा के अनुरूप मोदी जी ने व्यक्तिगत रूप से खरगे को उनके स्वास्थ्य के बारे में जानने के लिए फोन किया। वह ऐसे नेता हैं जिन पर लोगों ने लगातार तीन लोकसभा चुनावों में भरोसा जताया है।

भारतीय जनता पार्टी नेता ने कहा कि कांग्रेस प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर जितना अधिक कीचड़ उछालेगी, उतना ही अधिक कमल खिलेगा और उतना ही अधिक भारत के लोग प्रधानमंत्री मोदी का समर्थन करेंगे और उनके साथ खड़े होंगे।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस की नकारात्मकता की राजनीति को लोगों ने लगातार खारिज कर दिया है, क्योंकि नफरत और कट्टरता की ऐसी विभाजनकारी, ध्रुवीकरण वाली राजनीति के लिए भारतीय राजनीति में कोई जगह नहीं है।

अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मार रहे हैं अनवर : माकपा

नई दिल्ली/मलप्पुरम। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने सोमवार को निर्दलीय विधायक पी.वी. अनवर पर पार्टी और केरल सरकार को निशाना बनाने के लिए धर्म व आस्था का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। मुख्यमंत्री पिनराई विजनय के खिलाफ बागी तेवर अपनाने वाले अनवर से माकपा के रिश्ते खराब हो गए हैं। अनवर ने आरोप लगाया है कि दिन में पांच वक्त की नमाज पढ़ने पर माकपा उन्हें सांप्रदायिक व्यक्ति के तौर पर पेश करने की कोशिश कर रही है। उनके इस आरोप पर पलटवार करते हुए माकपा के वरिष्ठ नेता ए.के. बालन ने कहा कि ये आरोप पूरी तरह झूठे हैं।

उन्होंने कहा कि कोई भी इबादत के खिलाफ नहीं है और उन्हें आशंका थी कि अनवर ये आरोप लगा सकते हैं। बालन ने नयी दिल्ली में पत्रकारों से कहा, वह अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मार रहे हैं। माकपा नेता ने आरोप लगाया कि अनवर का मकसद मुख्यमंत्री की छवि को तार-तार करना है, जिनका अल्पसंख्यक समुदायों के बीच बहुत सम्मान किया जाता है। उन्होंने कहा कि यह सब यूडीएफ के एजेंडे का हिस्सा है।

बालन ने कहा, अनवर के आरोपों के पीछे एक साजिश है। मलप्पुरम में पिछले विधानसभा चुनाव में वामपंथियों के पक्ष में 43 प्रतिशत मतदान हुआ था। मुस्लिम समुदाय ने बढ़-चढ़कर वामपंथियों के पक्ष में मतमदान किया था। इसका मुख्य कारण पिनराई विजयन का व्यक्तित्व था।

एडीजीपी एम. आर. अजितकुमार और मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव पी. शशि के खिलाफ सोना तस्करी समेत अनवर के विभिन्न आरोपों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए माकपा नेता ने कहा कि विधायक द्वारा उल्लिखित सभी मामलों की जांच जारी है। एक दिन पहले अनवर ने मलप्पुरम जिले के नीलांबुर में अपने गृह क्षेत्र में जनसभा आयोजित की थी, जिसमें उन्होंने विजयन और सत्तारूढ़ माकपा पर ताजा हमला किया था और एडीजीपी अजितकुमार से जुड़े आरोपों समेत विभिन्न मुद्दों को लेकर उनके दावों की उच्च न्यायालय की निगरानी में जांच कराने की मांग की थी।

विकास और समृद्धि के लिए हमारे पास एक नया दृष्टिकोण : मुख्यमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर । 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट सम्मिट 2024 के तहत आज देश की राजधानी नई दिल्ली में 'इन्वेस्टर मीट' का सफलतापूर्वक आयोजन मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में किया गया। इस 'इन्वेस्टर मीट' के दौरान राजस्थान में निवेश के लिए राज्य सरकार के ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टमेंट प्रोमोशन और विभिन्न कंपनियों के बीच 8 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश संबंधी एमओयू (चेणी) पर हस्ताक्षर किए गए। आज हुए एमओयू के साथ, प्रदेश में निवेश के लिए किए गए एमओयू (चेणी) का कुल मूल्य 12.50 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है, जो वर्ष 2047 तक राज्य को 'विकसित राजस्थान' में बदलने के राजस्थान सरकार के प्रयासों में निवेशक और व्यापार समुदाय के दृढ़ विश्वास को दर्शाता है। दिल्ली में आयोजित इस 'इन्वेस्टर मीट' में मुख्यमंत्री शर्मा के अलावा उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़, मुख्य सचिव सुधांश पंत, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव शिखर अग्रवाल, उद्योग विभाग के प्रमुख शासन सचिव अजिताभ शर्मा और राजस्थान सरकार के कई अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल थे।

इस 'इन्वेस्टर मीट' में उद्योग एवं व्यापार जगत की कई जानी-मानी हस्तियां शामिल हुई और इस दौरान अक्षय ऊर्जा, पावर ट्रांसमिशन, तेल और गैस, सीएनजी, लॉजिस्टिक्स, एग्रोटेक जैसे कई क्षेत्रों में निवेश के लिए एमओयू (चेणी) किया गया। प्रदेश में निवेश के लिए जिन प्रमुख कंपनियों और औद्योगिक समूहों ने सरकार के साथ एमओयू (चेणी) किया। उनमें टाटा पावर, इंडियन ऑयल, अवाडा ग्रुप, एनएचपीसी, रिलायंस बायो एनर्जी, टोरेंट पावर, स्टरलाइट पावर ट्रांसमिशन, महिंद्रा सस्टेन प्राइवेट लिमिटेड, टीएचडीसी इंडिया, ऑयल इंडिया, जिंदल रिन्यूएबल पावर, एस्सार रिन्यूएबल्स, इंद्रप्रस्थ गैस, अडानी लॉजिस्टिक्स, जेके सीमेंट, बीएल एग्रो इंडस्ट्रीज, टीटागढ़ रेल सिस्टम्स जैसी कई बड़ी कंपनियां शामिल हैं। इस दौरान, देशी-विदेशी निवेशकों, उद्योग और व्यापार जगत के दिग्गजों, इनोवेटर्स, स्टार्टअप्स और अन्य संबंधित स्टेकहोल्डर्स को राज्य में निवेश करने और 9-10-11 दिसंबर 2024 को जयपुर में आयोजित 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट सम्मिट 2024 में भाग लेने के लिए भी आमंत्रित किया गया।

निवेशकों को राजस्थान में निवेश करने के लिए आमंत्रित करते हुए मुख्यमंत्री शर्मा ने आगे कहा, राजस्थान एक परिवर्तनकारी युग की दहलीज पर खड़ा है और विकास और समृद्धि के लिए हमने एक नए दृष्टिकोण को अपनाया है। हम न केवल एक मजबूत अर्थव्यवस्था की नींव रख रहे हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्थायी भविष्य का निर्माण भी कर रहे हैं। इस परिवर्तन के प्रति हमारी प्रतिबद्धता निवेश को आकर्षित करने, स्थानीय उत्पादन को बढ़ावा देने और हमारे लोगों को सशक्त बनाने के लिए डिज़ाइन की गई पहलों से परिलक्षित होती है। हमारी सरकार अगले पाँच वर्षों में राजस्थान की अर्थव्यवस्था को 180 बिलियन अमेरिकी डॉलर से दोगुना करते हुए 350 बिलियन अमेरिकी डॉलर का बनाने के लिए कृतसंकल्प है।

राजस्थान सरकार द्वारा शुरू किए गए महत्वपूर्ण कदमों के बारे में बात करते हुए मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि औद्योगिक भूमि के अधिग्रहण और विकास को सरल बनाया गया है और निजी औद्योगिक पार्क योजना और लैंड एग्रीगेशन एंड मॉनेटाइजेशन पॉलिसी जैसी पहलें शुरू की जा रही हैं ताकि कारोबारियों को अपने व्यापार का विस्तार करने के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान किया जा सके। प्रदेश में निवेशकों के अनुकूल वातावरण बनाने के बारे में बात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का ध्यान व्यवसायों को सुविधाजनक बनाने का है और इसके लिए सरकार अपनी नीतियों में बदलाव ला रही है, प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित बनाने में लगी है, अनुपालन का बोझ कम करने में लगी है और सरकारी कामकाज में पारदर्शिता को बढ़ावा देने में लगी है।

इस अवसर पर बोलते हुए उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा, हम एक ऐसे भविष्य की कल्पना करते हैं, जहां राजस्थान न केवल आर्थिक रूप से समृद्ध हो, बल्कि समावेशी और सतत विकास के लिए एक मानक भी स्थापित करे। मैं सभी निवेशकों से राजस्थान आने का आह्वान करता हूं। साथ मिलकर हम इस विजन को हकीकत में बदल सकते हैं। हमारे राज्य में निवेश करके, आप हमारे प्रचुर संसाधनों और स्ट्रेटैजिक लोकेशन का उपयोग करके आप मजबूत सप्लाई चेन और सहयोगी उपक्रम बना सकते हैं, जिससे निवेशकों और राज्य दोनों को लाभ होगा। राजस्थान असीम संभावनाओं की धरती है, जहां मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर है और जहां एक ऐसी सरकार है जो आपके साथ साझेदारी करने के लिए तत्पर है।

'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट सम्मिट 2024 के महत्व के बारे में बोलते हुए राजस्थान सरकार के मुख्य सचिव सुधांश पंत ने कहा, यह इन्वेस्टमेंट सम्मिट अगले 5 वर्षों में राज्य को 350 बिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने की शुरुआत है। राज्य में निवेश करने का यह उपयुक्त समय है, क्योंकि सरकार समन्वित और सरलीकृत नीतियों, रेगुलेटरी कम्प्लायंस में आसानी जैसे कदमों के जरिए आपसी साझेदारी बढ़ाना चाहती है और निवेशकों को संसाधनों, इंफ्रास्ट्रक्चर और निवेश का वांछित लाभ उठाने की सुविधा प्रदान कर रही है।

वक्फ संशोधन विधेयक का विरोध करने वालों के कांग्रेस से करीबी संबंध : किरोड़ी मीणा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

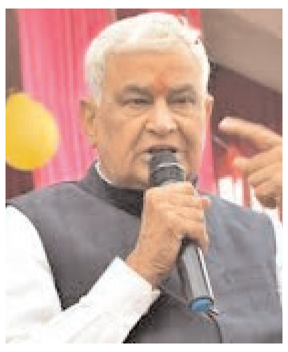

जयपुर। राजस्थान के कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने सोमवार को आरोप लगाया कि वक्फ संशोधन विधेयक-2024 का विरोध करने वालों के कांग्रेस नेताओं से करीबी संबंध हैं। मीणा ने दावा किया कि विधेयक का विरोध करने वाले कांग्रेस के इशारे पर लोगों को गुमराह कर रहे हैं और उन्हें भड़का रहे हैं। प्रदेश के कृषि मंत्री ने यहां संवाददाता सम्मेलन में आरोप लगाते हुए कहा, वक्फ संशोधन विधेयक 2024 का विरोध करने वालों के कांग्रेस नेताओं से करीबी संबंध हैं। कुछ नेता लोगों को गुमराह कर रहे हैं और भड़का रहे हैं। इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है।

उन्होंने कहा, इस लोकप्रिय विधेयक का मुस्लिम समाज के कुछ नेताओं द्वारा विरोध किया जा रहा है, जिसकी अगुवाई ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के राष्ट्रीय महासचिव फजल-उर-रहीम कर रहे हैं और सबसे बड़े पैरोकार बनकर देश में मुसलमानों को भड़का रहे हैं तथा उन्हें हिंसा पर उतारू कर रहे हैं। उन्होंने कहा,प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है तथा इनके द्वारा आम मुसलमानों को भड़काया जा रहा, जिससे देश में अशांति एवं अस्थिरता फैल जाये।

मंत्री ने आरोप लगाया कि रहीम ने वक्फ बोर्ड और अपने ट्रस्टों की संपत्तियों को अपनी निजी संपत्ति मानकर राजस्थान समेत देश में बड़ी मात्रा में जमीन बेची है। मीणा ने आरोप लगाते हुए कहा, खुद फजल-उर-रहीम ने फर्जी दस्तावेजों के आधार पर वक्फ, ट्रस्ट एवं मंदिरों की जमीन को अपनी निजी जागीर मानकर बेच दिया है। इनके निजी ट्रस्टों में देश-विदेश से विशेषकर खाड़ी देशों से अवैध धन प्राप्त कर देश विरोधी गतिविधि में लगाया जा रहा है।

मीणा ने कहा, रहीम कांग्रेस के इशारे पर देश में माहौल बिगाड़ने पर उतारू हैं। इनकी बेटी सुल्ताना जयपुर महिला कांग्रेस की महासचिव व इनका दामाद मोहम्मद शोएब प्रदेश कांग्रेस कमेटी का सदस्य है, इससे स्पष्ट है कि इनके कांग्रेस से गहरे रिश्ते हैं। उन्होंने कहा कि रहीम और उनके रिश्तेदारों ने जयपुर के आमेर और किशनपुरा में एक दर्जन कॉलोनियों में सरकारी और मंदिर माफी की जमीन पर 'नया पाकिस्तान' बसा दिया है जहां 40 मस्जिदें और 30 अवैध बूचड़खाने चल रहे हैं।

भारतीय जनता पार्टी के नेता ने कहा कि अहमदाबाद और मुंबई समेत देश के अन्य हिस्सों में भी इसी तरह का काम किया जा रहा है। उन्होंने कांग्रेस के शीर्ष नेताओं के साथ रहीम के कुछ वीडियो और तस्वीरें भी दिखाईं। उन्होंने कहा कि प्रवर्तन निदेशालय, केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो, राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण को मामले की जांच करनी चाहिए और सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने के लिए वक्फ संपत्तियों और सरकारी जमीन को समुदाय विशेष को बेचकर 'जनसांख्यिकी' बदलने में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए।

स्वागत

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े को स्थानीय प्रवासी राजस्थानी संघ द्वारा छत्रपति संभाजी नगर में सोमवार को सम्मानित किया गया। प्रवासी राजस्थानी संघ द्वारा राज्यपाल बागडे का अभिनंदन करने के साथ ही राजस्थान का राज्यपाल बनने पर प्रसन्नता जताई गई। राज्यपाल बागड़े ने अपने अभिनंदन और सम्मान का आभार जताते हुए प्रवासी राजस्थानियों से आग्रह किया कि वे राजस्थान के विकास के लिए भी निरंतर अपनी भूमिका प्रदान करते रहें। उन्होंने राजस्थान में निवेश के लिए भी प्रवासी राजस्थानियों का आह्वान किया।

सीमा सुरक्षा बल का स्थापना दिवस समारोह एक दिसम्बर को जोधपुर में

जैसलमेर/दक्षिण भारत। राजस्थान में सीमा सुरक्षा बल (एसएसएफ) का स्थापना दिवस समारोह एक दिसम्बर को जोधपुर में मनाया जायेगा। राजस्थान फ्रंटियर के महानिरीक्षक एम एल गर्ग ने सोमवार को बताया कि इस समारोह की जिम्मेदारी इस बार राजस्थान फ्रंटियर को सौंपी गयी है। इस दिन केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के भी मुख्य अतिथि के तौर पर जोधपुर आने की संभावना है। इस भव्य आयोजन में देशभर की विभिन्न सीमाओं पर तैनात बीएसएफ के जांबाज परेड के साथ शौर्य का प्रदर्शन करेंगे। यह लगातार चौथा अवसर होगा, जब राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से बाहर बीएसएफ का स्थापना दिवस मनाया जा रहा है। बीएसएफ द्वारा इस संबंध में जोरदार तैयारियां शुरू कर दी हैं।

उन्होंने बताया कि राजस्थान को दूसरी बार स्थापना दिवस आयोजन का मौका मिल रहा है। इससे पहले वर्ष 2021 में स्थापना दिवस जैसलमेर में आयोजित हुआ था। उसमें भी केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह मुख्य अतिथि के रूप शरीक हुये थे। इस बार भी जोधपुर में सहायक प्रशिक्षण केंद्र में होने वाले समारोह में शाह के शामिल होने की संभावना है। इसकी तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। यह समारोह कई मायनों में ऐतिहासिक होने वाला है।

गर्ग ने बताया कि इस समारोह में सीमा सुरक्षा बल के विभिन्न सीमांत मुख्यालयों से विशेष दक्ष सीमा प्रहरी शिरकत करेंगे। साथ ही बीएसएफ की प्रत्येक इकाई अपनी जांबाजी का प्रदर्शन करेगी। खासतौर से महिला जवानों का मोटरसाइकिल दस्ता 'सीमा भवानी' हैरत भरे करतब दिखाएगी। जोधपुर का ऊंट बैंड दस्ता भी इस प्रतिष्ठित परेड का हिस्सा होगा।

तेंदुए के संदिग्ध हमले में पुजारी की मौत

जयपुर। राजस्थान के उदयपुर जिले में तेंदुए के एक और संदिग्ध हमले में एक पुजारी की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, घटना गोगुंदा के राठौड़ों का गुड़ा इलाके में हुई। पुलिस ने बताया कि मंदिर के पुजारी 65 वर्षीय विष्णु गिरी रविवार रात को मंदिर के बाहर सो रहे थे, तभी जंगली जानवर उन्हें जंगल में खींच ले गया और उनका शिकार कर लिया। पुजारी का शव सोमवार सुबह मंदिर से करीब 150 मीटर दूर क्षत-विक्षत अवस्था में मिला।

स्थानीय लोगों का कहना है कि तेंदुए ने पुजारी का शिकार किया। हालांकि, वन अधिकारियों ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है और यह पता लगाया जा रहा है कि पुजारी पर तेंदुए ने हमला किया या किसी अन्य जंगली जानवरी ने। इलाके में तेंदुए के हमले से लोग दहशत में हैं और इस तरह के मामलों में यहां अब तक पांच लोगों की मौत हो चुकी है।

मेडिकल कॉलेज एवं अस्पतालों के प्रबंधन को और सुदृढ़ करने के दिए निर्देश

जयपुर/दक्षिण भारत। प्रदेश के मेडिकल कॉलेजों एवं उनसे जुडे अस्पतालों की विभिन्न समस्याओं को दूर कर प्रबंधन को और सुदृढ़ किया जाएगा। इन अस्पतालों को पेशेंट फ्रेण्डली बनाने के साथ ही उच्च स्तरीय उपचार उपलब्ध करवाने के लिए प्रभावी प्रयास सुनिश्चित किए जाएंगे। चिकित्सा शिक्षा सचिव अम्बरीष कुमार ने सोमवार को स्वास्थ्य भवन में आयोजित बैठक में प्रदेश के 6 मेडिकल कॉलेजों के कार्यों की समीक्षा के दौरान इस संबंध में दिशा-निर्देश प्रदान किए। उन्होंने कहा कि आमजन के स्वास्थ्य और जनसेवा से जुडे इन संस्थानों के उन्नयन के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। विभाग के सभी अधिकारी एवं चिकित्सक संकल्पित एवं समन्वित प्रयासों से मेडिकल कॉलेजों एवं संबद्ध अस्पतालों की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाएं।

अम्बरीष कुमार ने कहा कि सभी अधिकारी बजट घोषणाओं के तहत होने वाले कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए उन्हें निर्धारित टाइमलाइन में पूरा करने का प्रयास करें। जिन बजट घोषणाओं में राज्य सरकार से प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्राप्त की जानी है, उनके प्रस्ताव शीघ्र भिजवाए जाएं। इसमें किसी तरह का विलम्ब नहीं हो। उन्होंने विभिन्न बजट घोषणाओं की समीक्षा करते हुए उनकी प्रगति के बारे में विस्तार से जानकारी ली। चिकित्सा शिक्षा सचिव ने कहा कि सभी मेडिकल कॉलेज से संबद्ध अस्पतालों में मेंटीनेंस सहित अन्य कार्यों के लिए निविदाएं प्रक्रियाएं शीघ्र पूरी की जाएं। उन्होंने कहा कि निविदा प्रक्रियाओं में पूर्ण पारदर्शिता रखी जाए। साथ ही, यह भी सुनिश्चित किया जाए कि अस्पतालों में होने वाले कार्य गुणवत्तापूर्ण हों।

चिकित्सा शिक्षा सचिव ने कहा कि अस्पतालों में जांच मशीनों की नियमित मेंटीनेंस के निर्देश देते हुए कहा कि ई-उपकरण पोर्टल पर जांच मशीनों की सूचना नियमित रूप से अपडेट की जाए। उन्होंने कहा कि अस्पतालों में उपलब्ध जांच मशीनों एवं अन्य उपकरणों का समुचित उपयोग सुनिश्चित किया जाए।

भाजपा की डबल इंजन सरकार ने जो कहा, वह पूरा किया और पूरा करेंगे : राठौड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा है कि यह भाजपा की डबल इंजन सरकार है, जो कहा है, वह पूरा किया है और आगे भी पूरा करेगी। राठौड ने सोमवार को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की कैबिनेट बैठक में किये गये फैसलों को ऐतिहासिक बताया और कहा कि प्रदेश की पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने बेरोजगार युवकों को समय पर नौकरी नहीं दी थी, जबकि सरकारी विभागों में अनेक पद रिक्त थे। भाजपा सरकार ने बेरोजगारों के हितों को ध्यान में रखते हुये विभागों में छानबीन की तो कई पद रिक्त पाए गए।

ऐसे में सरकार ने कैबिनेट में तत्काल निर्णय करते हुए एक साथ 90 हजार युवकों को सरकारी नौकरी देने का सराहनीय कार्य किया है। उन्होंने कहा कि सरकारी विभागों में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के 60 हजार रिक्त पदों पर भर्ती प्रक्रिया शुरू करने के साथ शैक्षणिक योग्यता 10वीं करने का भी फैसला किया है। भर्ती परीक्षा में साक्षात्कार के साथ लिखित परीक्षा करवाने से भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता आयेगी। वहीं शैक्षणिक योग्यता 10वीं करने से कार्य में कुशलता भी देखने को मिलेगी। राठौड कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सरकार ने बेरोजगारों के साथ मंत्रालयिक कर्मचारियों के हितों का भी ध्यान रखा और पे लेवल एल 15 से बढाकर एल 16 करने का अनुमोदन कर दिया। पंचायती राज विभाग के कर्मचारियों को अन्य विभागों के समान एकरूपता सुनिश्चित करने के लिए सेवा नियमों में संशोधन को भी मंजूरी देकर उनके हितों का ध्यान रखा।

ऐतिहासिक 'रामनिवास बाग' को चूहों से मुक्त कराने के लिए अभियान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जयपुर के ऐतिहासिक 'रामनिवास बाग' और 'अल्बर्ट हॉल' को चूहों के आतंक व खतरे से मुक्त कराने के लिए दो दिवसीय अभियान सोमवार को शुरू हुआ। अधिकारियों का कहना है कि इस इलाके में चूहों की संख्या अत्यधिक बढ़ गई है और उन्होंने बाग की जमीन को खोद दिया है जिससे वहां स्थित 'अल्बर्ट हॉल' भवन प्रभावित हो रहा है। जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) की टीम ने इस पूरे इलाके को चूहों से मुक्त कराने के लिए दो दिवसीय अभियान सोमवार सुबह शुरू किया। अधिकारियों ने बताया कि इसके तहत 'रामनिवास बाग', 'अल्बर्ट हॉल' और बाग में स्थित अन्य स्थल सोमवार और मंगलवार को दो दिन के लिए बंद रहेंगे।

अधिकारी चूहों को मारने के लिए बड़े पैमाने पर कीटनाशकों का इस्तेमाल करेंगे। तत्कालीन महाराजा सवाई रामसिंह द्वारा 1868 में निर्मित इस बाग में शानदार 'अल्बर्ट हॉल' है, जिसमें अब संग्रहालय भी चलता है। हालांकि, पिछले कुछ समय से ये दोनों प्रतिष्ठित स्थान चूहों के प्रकोप से त्रस्त हैं। चूहों ने बाग की जमीन को खोद दिया है, वहां असंख्य बिल बना लिए हैं और बाग में स्थित 'अल्बर्ट हॉल' भी इससे प्रभावित हो रहा है।

जेडीए के सचिव निशांत जैन ने कहा, उद्यान में आज से चूहा नियंत्रण गतिविधि शुरू हो गई है। पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग के निदेशक पंकज धरेन्द्र ने बताया कि जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा विभाग को पत्र के माध्यम से सूचित किया गया है कि 30 सितंबर और एक अक्टूबर को रामनिवास बाग बंद रहेगा। रामनिवास उद्यान के अधीक्षक अब्दुल मजीद के अनुसार, इलाके में बड़ी संख्या में चूहों की मौजूदगी पर्यटकों के साथ-साथ आम लोगों को भी परेशान कर रही है। इसलिए कीटनाशकों की मदद से चूहों को खत्म किया जाएगा और उनके बिलों को भरा जाएगा। उन्होंने बताया, कोविड-19 महामारी के दौरान छोटे स्तर पर चूहा नियंत्रण गतिविधियां चलाई गई थीं, लेकिन इस बार बड़े स्तर पर गतिविधियां चलाई जा रही हैं। उन्होंने दावा किया कि इलाके में चूहों की संख्या एक लाख से भी ज्यादा हो सकती है। चूहों की इतनी बड़ी संख्या ने अधिकारियों और आम लोगों के लिए परेशानी खड़ी कर दी है। इससे संक्रमण का भी खतरा है, इसलिए यह गतिविधि बहुत जरूरी थी।

इस इलाके में चिड़ियाघर, पक्षी उद्यान और सांस्कृतिक गतिविधियों का केंद्र रविन्द्र मंच थियेटर भी है। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि बाग में खोमचे व रेहड़ी वालों और पक्षियों को दाना खिलाने वालों के कारण चूहों की संख्या बढ़ी है। 'अल्बर्ट हॉल' की संकल्पना और डिजाइन सर स्विंटन जैकब ने की थी और 'प्रिंस ऑफ वेल्स' ने 1876 में भवन की आधारशिला रखी थी। धरेंद्र ने कहा कि चूहों की बढ़ती आबादी इस भवन की नींव के लिए खतरा बन गई है। उन्होंने कहा कि हालांकि संग्रहालय के अंदर की वस्तुओं को कोई नुकसान नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में लगभग 1500-2000 पर्यटक प्रतिदिन संग्रहालय का दौरा कर रहे हैं और अभी शुरू हुए पर्यटन के मौसम में पर्यटकों की संख्या और बढ़ेगी।

पोषण एक सेवा कार्य इसे समर्पित भाव से किया जाना चाहिए : सोनी

जयपुर/दक्षिण भारत। महिला एवं बाल विकास शासन सचिव महेन्द्र सोनी ने सोमवार को ललित कला अकादमी के सभागार में आयोजित जिला एवं ब्लॉक स्तरीय पोषण मेला 2024 को सम्बोधित करते हुए कहा कि पोषण माह में राजस्थान राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। शासन सचिव ने कहा कि राजस्थान अभी तक राष्ट्रीय स्तर पर 6 वें स्थान पर है। उन्होंने सीडीपीओ, महिला पर्यवेक्षकों और कार्यकर्ताओं को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि कुपोषण से बचाव के लिए पोषण जैसे सेवा के पुनीत कार्य का अवसर मिलना गर्व का विषय है। इसे समर्पित भाव से किया जाना चाहिए। सोनी ने कहा कि पोषण के निर्धारित मापदंडों का पालन करके ही बच्चों का शारीरिक और मानसिक विकास किया जा सकता है।

निदेशक समेकित बाल विकास सेवाएं ओपी बुनकर ने जयपुर जिला एवं ब्लॉक स्तरीय पोषण मेले तथा जिला स्तरीय पोषण माह के समापन समारोह को सम्बोधित करते हुए पोषण की गुणवत्ता और उसके महत्व को उजागर किया।

उन्होंने कहा कि उचित पोषण के अभाव में कई सारी बीमारियां बच्चों, किशोरी बालिकाओं और महिलाओं को हो सकती हैं। उन्होंने उक्त स्थिति से बचाव के लिए सरकार की ओर से उपलब्ध करवाये जा रहे पोषाहार को बहुत उपयोगी और गुणकारी बताया। जिला एवं ब्लॉक स्तरीय पोषण मेला 2024 के आयोजन की अध्यक्षता कर रहे महिला एवं बाल विकास शासन सचिव महेंद्र सोनी एवं आईसीडीएस निदेशक एवं कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि ओपी बुनकर ने कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य करने वाले सीडीपीओ, महिला पर्यवेक्षक, ब्लॉक कॉर्डिनेटर को प्रशंसा पत्र प्रदान किए।

भारतीय जनता पार्टी ने प्रधानमंत्री मोदी पर खरगे की टिप्पणी को 'अपमानजनक' बताया, कांग्रेस ने पलटवार किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की जम्मू-कश्मीर में एक जनसभा के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर की गई टिप्पणी को सोमवार को ''अत्यंत खराब और अपमानजनक'' करार दिया, जबकि मुख्य विपक्षी दल ने पलटवार करते हुए कहा कि उन्हें मणिपुर, जातिगत जनगणना और बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर ध्यान देना चाहिए। कांग्रेस ने यह भी कहा कि खरगे ने कोई गलत बात नहीं की है और उनके कहने का तात्पर्य यह था कि वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को सत्ता से हटाने के बाद राजनीति से संन्यास लेंगे।

भाजपा के वरिष्ठ नेता और गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि ''कटु तरीके से नफरत दिखाते हुए'' खरगे ने यह कहकर अपने निजी स्वास्थ्य के मामले में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का नाम बिना वजह ही घसीटा कि वह मोदी को सत्ता से हटाने से पहले नहीं मरेंगे। जम्मू-कश्मीर के जसरोटा में रैली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की तबीयत खराब हो गई लेकिन कुछ देर रुकने के बाद उन्होंने भाषण जारी रखा और सत्तारूढ़ दल पर हमला करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को सत्ता से हटाने से पहले वह मरेंगे नहीं। शाह ने खरगे की इस टिप्पणी को लेकर

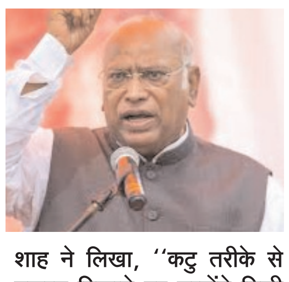

उन पर निशाना साधा। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भाषण में कल ''अत्यंत खराब और अपमानजनक व्यवहार'' किया।

शाह ने लिखा, ''कटु तरीके से नफरत दिखाते हुए उन्होंने निजी स्वास्थ्य के मामले में प्रधानमंत्री को अनावश्यक रूप से घसीटा और कहा कि वह प्रधानमंत्री मोदी को हटाने से पहले नहीं मरेंगे।'' उन्होंने कहा कि खरगे की टिप्पणी से पता चलता है कि कांग्रेस के लोगों में प्रधानमंत्री मोदी के प्रति कितनी नफरत और डर है तथा वे लगातार उन्हीं के बारे में सोचते रहते हैं। गृह मंत्री ने कहा, ''जहां तक खरगे जी के स्वास्थ्य का सवाल है, तो मोदी जी, मैं और हम सभी प्रार्थना करते हैं कि वह दीर्घायु हों और स्वस्थ जीवन जिएं। वह अनेक वर्षों तक जीवित रहें। वह 2047 तक विकसित भारत का निर्माण होता देखने के लिए जीवित रहें।'' शाह की टिप्पणी के बाद खरगे ने कहा कि केंद्रीय मंत्री अमित शाह को मणिपुर, जनगणना और जातिगत जनगणना जैसे गंभीर मुद्दों पर ध्यान देना चाहिए। खरगे ने पोस्ट किया, ''गृह मंत्री अमित शाह को मणिपुर, जनगणना और जातिगत जनगणना जैसे गंभीर मुद्दों पर ध्यान देना चाहिए। आपकी सरकार का ही सर्वे कहता है कि शहरी सीवरों, सेप्टिक टैंकों की सफाई करने वाले 92 प्रतिशत कर्मचारी अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्गों से आते हैं।'' उन्होंने दावा किया कि भाजपा जातिगत जनगणना के विरोध में इसलिए है क्योंकि तब पता चल जाएगा कि एससी, एसटी, ओबीसी, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग व सभी वर्ग कौन-कौन से कार्यों के जरिये अपना जीवन-यापन कर रहे हैं, उनकी आर्थिक और सामाजिक स्थिति क्या है तथा उनको किस तरह सरकारी योजनाओं का लाभ मिलना चाहिए।

अपने मकानों पर बुलडोजर चलाये जाने से नाराज ग्रामीणों ने दो लेखपालों को पीटा

फर्रुखाबाद/भाषा। उत्तर प्रदेश के फर्रुखाबाद जिले में अपने गांव के अनेक मकानों पर बुलडोजर की कार्रवाई से नाराज ग्रामीणों ने दो लेखपालों (राजस्व अधिकारी) को सोमवार को पुलिस की मौजूदगी में जमकर पीटा। इससे नाराज लेखपालों के संगठन ने मारपीट करने वालों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की मांग को लेकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। यह घटना नवाबगंज थाना क्षेत्र के उखरा गांव में हुई जहां शनिवार को जिला प्रशासन की टीम ने बुलडोजर चलाकर सरकारी जमीन पर बने कई मकानों को ढहा दिया था। सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कुछ नेता सोमवार को गांव पहुंचे। भाजपा नेता जब पुलिस क्षेत्राधिकारी अरुण कुमार और थाना प्रभारी बलराज भाटी के साथ लोगों से बात कर रहे थे, तभी कुछ ग्रामीण उग्र हो गए और मौके पर मौजूद लेखपाल रुद्र प्रताप सिंह और सौरभ पांडेय पर हमला कर दिया, जिसमें दोनों घायल हो गए। बाद में पुलिस ने किसी तरह भीड़ को तितर-बितर किया और स्थिति को नियंत्रित किया। इस घटना के विरोध में लेखपाल संघ के पदाधिकारियों ने नवाबगंज थाने में धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया।

इंद्रसेन रेड्डी नल्लू ने मिजोरम के राज्यपाल के तौर पर शपथ ली

आइजोल/भाषा। इंद्रसेन रेड्डी नल्लू ने सोमवार को मिजोरम के राज्यपाल के तौर पर शपथ ली। गुवाहाटी उच्च न्यायालय के न्यायाधीश नेल्सन सेलो ने यहां राजभवन में नल्लू को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। नल्लू त्रिपुरा के राज्यपाल हैं और उन्हें मिजोरम का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है । मिजोरम के राज्यपाल हरिभाऊ कंभमपति ने स्वास्थ्य कारणों से अवकाश लिया है और वह स्वास्थ्य लाभ कर रहे हैं। नल्लू के शपथ ग्रहण समारोह में मुख्यमंत्री लालदुहोमा और उनके कैबिनेट सहयोगियों, विधानसभा अध्यक्ष लालबियाकजामा, लोकसभा सदस्य रिचर्ड वनलालहमंगइहा एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। पिछले सप्ताह राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने एक अधिसूचना जारी कर, नल्लू को कंभमपति की अनुपस्थिति में मिजोरम के राज्यपाल के रूप में अतिरिक्त प्रभार सौंपा था। 2021 में मिजोरम के राज्यपाल नियुक्त होने वाले कंभमपति को 10 सितंबर को फेफड़ों में संक्रमण के कारण हैदराबाद के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था। राजभवन के सूत्रों ने यहां बताया कि कंभमपति को अस्पताल से छुट्टी दे दी गयी है और वह अब वह विशाखापत्तनम स्थित अपने घर पर आराम कर रहे हैं। सूत्रों ने बताया कि हालांकि उनकी हालत अब स्थिर है, लेकिन कंभमपति राज्यपाल के रूप में अपना कार्यभार संभालने की स्थिति में नहीं हैं।

आर जी कर मामले में किसी को भी पीड़िता का नाम, फोटो प्रकाशित करने की अनुमति नहीं है: न्यायालय

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को पूर्व के अपने आदेश को दोहराया कि आर जी कर अस्पताल बलात्कार-हत्या मामले में किसी भी मध्यस्थ मंच (सोशल मीडिया मंच) को पीड़िता का नाम और फोटो प्रकाशित करने की अनुमति नहीं है। सुनवाई शुरू होते ही वकील वृंदा ग्रोवर ने प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ को बताया कि मृत प्रशिक्षु चिकित्सक के माता-पिता सोशल मीडिया में बार-बार उसके नाम और तस्वीरों का खुलासा करने वाली क्लिप से परेशान हैं। शीर्ष अदालत ने कहा कि वह इस मुद्दे पर पहले ही आदेश पारित कर चुकी है और आदेश को लागू करना कानून लागू करने वाली एजेंसियों का काम है। अदालत ने पूर्व के आदेश को स्पष्ट करते हुए कहा कि यह सभी मध्यस्थ मंचों (सोशल मीडिया मंचों) पर लागू होता है। पीठ ने कहा कि केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की जांच में ठोस सुराग मिले हैं और उसने कथित बलात्कार और हत्या तथा वित्तीय अनियमितताओं दोनों पहलुओं पर बयान दिए हैं। मामले में फिलहाल सुनवाई जारी है।

ओडिशा : 12 वीं कक्षा के छात्र को हॉस्टल की दूसरी मंजिल से धक्का दिया, गंभीर रूप से घायल

भवानीपटना/भाषा। ओडिशा के कालाहांडी जिले के एक निजी स्कूल की 12वीं कक्षा के एक छात्र को उसके कुछ सहपाठियों ने छात्रावास की दूसरी मंजिल से धक्का दे दिया। पुलिस ने सोमवार को बताया कि घटना में छात्र गंभीर रूप से घायल हो गया। कालाहांडी जिले के जिला मुख्यालय भवानीपटना के बाहरी इलाके जगन्नाथपुर के पास स्थित स्कूल में यह घटना रविवार की रात को हुई। पुलिस ने बताया कि घायल अंकेश बाग को भवानीपटना के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया और उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है। पुलिस के एक अधिकारी के अनुसार, बाग ने आरोप लगाया कि जब उसने आरोपी विद्यार्थियों को रैगिंग के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने के बारे में चेतावनी दी तो उसके साथ मारपीट की गई और उसे दूसरी मंजिल से धक्का दे दिया गया। अधिकारी के मुताबिक, घटना के संबंध में भवानीपटना सदर थाने में नौ छात्रों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

बनारस क्योटो तो बना नहीं, जो था वो भी रहा नहीं : अखिलेश यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में गंदगी का मामला उठाते हुए कहा कि बनारस क्योटो तो नहीं बना, जो था वो भी रहा नहीं। सपा प्रमुख ने सोमवार को 'एक्स' पर एक तस्वीर साझा की जिसमें नगर निगम के 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान के बीच सोनिया तिराहा स्थित कूड़ा घर के सामने पूरी सड़क पर फैला हुआ कूड़ा दिखाई दे रहा है।

यादव ने इस तस्वीर के साथ अपने पोस्ट में लिखा, ''ये है देश के प्रधान संसदीय क्षेत्र का हाल, सड़क को कूड़ा-घर समझने की भूल न की जाए। ये है 'स्वच्छ भारत'? बनारस क्योटो तो बना नहीं, जो था वो भी रहा नहीं। आशा है इस पोस्ट के प्रकाशित होने के बाद कल तक ये स्थान साफ़-सुथरा हो जाएगा।'' पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाते हुए दावा किया, ''भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार तो काम करती नहीं है, विपक्ष ही उससे काम करवाता है। ऐसा पहली बार हुआ है कि जनता अपना काम करवाने के लिए विपक्ष के पास आ रही है।'' प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वाराणसी को जापान के शहर क्योटो की तर्ज पर स्मार्ट शहर में बदलने का वादा किया है। वाराणसी की तरह क्योटो, जिसे 10,000 तीर्थों का शहर कहा जाता है, एक तीर्थ स्थल है-और इसके बीच से एक नदी भी बहती है।

कृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह मामले में अगली सुनवाई 16 अक्टूबर को

प्रयागराज/भाषा। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने मथुरा स्थित कृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह विवाद मामले की अगली सुनवाई की तिथि 16 अक्टूबर तय की है।

सोमवार को जब इस मामले में सुनवाई शुरू हुई तो अदालत को बताया गया कि कुछ मुकदमों में संशोधन पर आपत्तियां दाखिल नहीं की गई हैं। मुकदमों में संशोधन की यह मांग हिंदू पक्ष की ओर से की गई है। वहीं मुस्लिम पक्ष की ओर से 11 जनवरी, 2024 के आदेश को वापस लेने की मांग के साथ एक आवेदन दाखिल किया गया है। इसी आदेश के तहत सभी 18 मुकदमों पर एक साथ सुनवाई की जा रही है।

न्यायमूर्ति मयंक कुमार जैन की अदालत इस मामले की सुनवाई कर रही है।

विस चुनावों के नतीजों के बाद शुरू हो जाएगी प्रधानमंत्री की विदाई की उल्टी गिनती: रमेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सोमवार को हरियाणा और जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनावों में अपने दल को निर्णायक जनादेश मिलने की उम्मीद जताई और दावा किया कि इस साल के विधानसभा चुनावों के नतीजों के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सत्ता से विदाई की उल्टी गिनती शुरू हो जाएगी।

रमेश ने 'पीटीआई-भाषा' के साथ विशेष बातचीत में यह आरोप भी लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) हरियाणा और जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव में भी ध्रुवीकरण का सहारा ले रही है, लेकिन जनता उसे वही सबक सिखाएगी जो इस साल लोकसभा चुनाव में सिखाया था। उन्होंने कहा, ''आठ अक्टूबर को हरियाणा और जम्मू-कश्मीर के नतीजे आएंगे। चार जून, 2024 को प्रधानमंत्री को पहला धक्का लगा था। आठ अक्टूबर को दूसरा धक्का लगेगा। तीसरा धक्का महाराष्ट्र और झारखंड के विधानसभा चुनाव में मिलेगा।'' उन्होंने उम्मीद जताई कि हरियाणा में कांग्रेस को और जम्मू-कश्मीर में उसके गठबंधन को 'निर्णायक जनादेश' मिलेगा। कांग्रेस महासचिव ने दावा किया कि 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया') महाराष्ट्र और झारखंड में भी आगे है। इन दोनों राज्यों में नवंबर में विधानसभा चुनाव होने की संभावना है। रमेश ने कहा, ''महाराष्ट्र और झारखंड में हम आगे हैं। हमारा चुनाव प्रचार चल रहा है। मैं कोई भविष्यवाणी नहीं करता। लेकिन हमें पूरा विश्वास है कि नवंबर में जब महाराष्ट्र और झारखंड में नतीजे आएंगे तो प्रधानमंत्री का 'काउंटडाउन' (उल्टी गिनती) शुरू हो जाएगा।'' यह पूछे जाने पर कि यदि विधानसभा चुनावों के नतीजे भाजपा के खिलाफ होते हैं तो क्या वह केंद्र सरकार के लिए कोई खतरा देखते हैं, रमेश ने कहा, ''जो साफ साफ नजर आ रहा है, उसे देखने की क्षमता प्रधानमंत्री को होनी चाहिए। चार जून का जनादेश उनके पक्ष में तो नहीं था, उनके खिलाफ था।''

भारत ने दूसरे टेस्ट में बांग्लादेश पर शिकंजा कसा, आखिरी दिन निकल सकता है नतीजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कानपुर/भाषा। स्टार आफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने वर्षाबाधित दूसरे क्रिकेट टेस्ट के चौथे दिन का खेल खत्म होने से पहले बांग्लादेश के दो विकेट चटकाकर भारत को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया और अब आखिरी दिन भी परिणाम निकलने की उम्मीद दिख रही है ।

बारिश और गीली आउटफील्ड के कारण दूसरे और तीसरे दिन का खेल नहीं होने के बाद चौथे दिन सोमवार को मैच में काफी उतार चढाव देखने को मिले । पूरे दिन में 18 विकेट गिरे, भारत ने सबसे तेज 50, 100 और 200 रन बनाये , विराट कोहली ने 27000 अंतरराष्ट्रीय रन पूरे किये तो रविंद्र जडेजा ने 300 वां विकेट लिया।

बांग्लादेश ने मोमिनुल हक के शतक की मदद से पहली पारी में 233 रन बनाये जिसके बाद भारत ने टी20 तेवरों से बल्लेबाजी करते हुए पहली पारी नौ विकेट पर 285 रन पर घोषित की । जवाब में चौथे दिन का खेल समाप्त होने पर बांग्लादेश ने दो विकेट 26 रन पर गंवा दिए और वह अभी भी भारत के पहली पारी के स्कोर से 26 रन पीछे है । भारत के लिए यशस्वी जायसवाल ने 51 गेंद में 72 रन बनाये । जायसवाल ने पहले ही ओवर में तेज गेंदबाज हसन महमूद को तीन चौके जड़े । रोहित ने खालिद अहमद को दो छक्के लगाये जिनमें से एक पर गेंद स्टेडियम की छत पर जा गिरी ।

भारत ने पचास रन तीसरे ओवर में ही पूरे कर लिए । तेज गेंदबाजों को नाकाम होता देख बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हुसैन शंटो ने स्पिनर मेहदी हसन मिराज को गेंद सौंपी जिन्होंने रोहित का कीमती विकेट लिया ।

जायसवाल ने बायें हाथ के स्पिनर तैजुल इस्लाम की गेंद पर एक रन लेकर अपना अर्धशतक पूरा किया । उन्होंने अपनी पारी में 12 चौके और दो छक्के लगाये । उन्होंने दूसरे विकेट के लिए शुभमन गिल के साथ 72 रन जोड़े । गिल 39 रन बनाकर शाकिब का शिकार हुए जिनका कैच महमूद ने लपका । शाकिब ने इसके बाद कोहली को पवेलियन भेजा जो अर्धशतक बनाने से तीन रन से चूक गए । कोहली ने 35 गेंद में 47 रन बनाये जिसमें चार चौके और एक छक्का शामिल है । इस पारी के दौरान कोहली अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के सभी प्रारूपों को मिलाकर 27,000 रन का आंकड़ा पार करने वाले चौथे बल्लेबाज बने । इस सूची में सचिन तेंदुलकर (34,357), श्रीलंका के कुमार संगकारा (28,016) और तीसरे स्थान पर ऑस्ट्रेलिया के रिकी पोंटिंग (27,483) है। भारत के लिए केएल राहुल ने 43 गेंद में 68 रन बनाये जो मेहदी हसन मिराज की गेंद को आगे निकलकर खेलने के प्रयास में चूके और लिटन दास की स्टम्पिंग का शिकार हो गए । भारत ने तीसरे ही ओवर में 50 रन बनाकर इंग्लैंड का सबसे तेज टीम अर्धशतक का रिकॉर्ड तोड़ा जिसने इस साल जुलाई में ट्रेंट ब्रिज में वेस्टइंडीज के खिलाफ 4.2 ओवर में अर्धशतक बनाया था । भारत ने सौ रन 11वें ओवर में पूरे करके अपना ही रिकॉर्ड बेहतर किया । भारत ने वेस्टइंडीज के खिलाफ 2023 में पोर्ट आफ स्पेन टेस्ट में सबसे तेजी से 12.2 ओवर में तिहरा अंक छुआ था ।इसके बाद भारत ने सबसे तेज 200 रन का आस्ट्रेलिया का रिकॉर्ड तोड़ा जो उसने पाकिस्तान के खिलाफ 2017 के सिडनी टेस्ट में बनाया था । भारत ने 24 . 2 ओवर में ही 200 रन बना डाले ।

हापुड़ में टांके लगाने के बाद युवती के सिर में डॉक्टर ने छोड़ी सूई, जांच कमेटी गठित

हापुड़/भाषा। उत्तर प्रदेश के हापुड़ जिले के थाना गढ़ क्षेत्र में एक युवती के सिर में चोट लगने पर एक सरकारी अस्पताल में डॉक्टर द्वारा लगाए टांके के बाद सिर में सूई छोड़ने का मामला सामने आया है। आधिकारिक जानकारी के अनुसार मामले में मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) ने दो सदस्यीय कमेटी गठित कर जांच के आदेश दिए और कहा है कि जांच रिपोर्ट आने के बाद कार्रवाई की जाएगी।

जिले के बहादुरगढ़ क्षेत्र के गांव नानई में तीन दिन पहले दो पक्षों में हुए विवाद में सियाकत खां की बेटी सितारा (22) सिर में डंडा लगने से गंभीर रूप से घायल हो गई थी। परिजन उसे गढ़ के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में इलाज के लिए ले गए थे। परिजनों ने बताया कि अस्पताल में डॉक्टर ने उसके सिर में टांके लगाकर पट्टी कर घर भेज दिया, परन्तु युवती के सिर का दर्द बंद नहीं हुआ, जिस कारण अगले दिन परिजनों ने क्षेत्र के ही एक निजी डॉक्टर को दिखाया, तो पट्टी खोलने पर पता चला कि युवती के सिर के अंदर सरकारी डॉक्टर ने टांके लगाते समय सूई छोड़ दी थी। निजी डॉक्टर ने उसको निकालकर पट्टी कर घर भेज दिया था। सितारा की मां ने कहा, डॉक्टर नशे में था... हम चाहते हैं कि कार्रवाई की जाए ताकि भविष्य में किसी के साथ ऐसी घटना न दोहराई जाए। इसके बाद परिवार ने घटना के सिलसिले में स्थानीय स्वास्थ्य विभाग व संबंधित अधिकारियों के पास शिकायत दर्ज कराई।

जेएसएससी कार्यालय के बाहर छात्रों का प्रदर्शन, भर्ती परीक्षा रद्द करने की मांग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। झारखंड कर्मचारी चयन आयोग द्वारा पिछले सप्ताह आयोजित भर्ती परीक्षाओं को रद्द करने की मांग को लेकर हजारों अभ्यर्थियों ने सोमवार को यहां जेएसएससी कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया। एक अधिकारी ने बताया कि किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए जेएसएससी कार्यालय के पास भारी पुलिस बल तैनात किया गया है।

राज्य के विभिन्न हिस्सों से एकत्र छात्रों ने सामान्य योग्यताधारी स्नातक स्तरीय संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा (जेजीजीएलसीसीई) में 'गलत साधनों के प्रयोग' का आरोप लगाया। सुबह से शुरू हुआ विरोध प्रदर्शन जारी रहा। परीक्षाएं 21 और 22 सितंबर को 823 केंद्रों पर आयोजित की गयी थी। किसी भी तरह की गड़बड़ी को रोकने के लिए दोनों दिन परीक्षा के दौरान मोबाइल इंटरनेट सेवाएं निलंबित की गयी थीं। झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार द्वारा छात्रों की शिकायतों पर गौर करने के लिए आयोग को लिखे गए पत्र के मद्देनजर जेएसएससी ने भर्ती परीक्षाओं में गड़बड़ी के आरोपों की जांच के लिए पिछले सप्ताह तीन सदस्यीय समिति गठित की थी। एक आंदोलनकारी छात्र ने बताया कि हजारीबाग और रामगढ़ से सैकड़ों छात्रों ने रविवार को रांची के एएसएससी दफ्तर तक लगभग 100 किलोमीटर पैदल चलकर जुलूस निकाला। उन्होंने कहा, हमें सड़कों पर उतरने के लिए मजबूर होना पड़ा। यह सरकार एक भी परीक्षा निष्पक्ष आयोजित नहीं कर पाई। छात्र नेता मनोज यादव ने दावा किया कि उन्होंने परीक्षा के दौरान हुई गड़बड़ी के सबूत तीन प्रारूपों में प्रस्तुत किए थे (लिखित, पेन-ड्राइव और सीडी) लेकिन अब जेएसएससी के अधिकारी कह रहे हैं कि सीडी खाली थी और उसमें कोई सामग्री नहीं थी। जेएसएससी ने रविवार को एक नोटिस में कहा कि आयोग को जो सीडी दी गई थी वह पूरी तरह से खाली थी।

यह बेहद खास उपलब्धि: जडेजा ने 300वां टेस्ट विकेट लेने के बाद कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कानपुर/भाषा। टेस्ट क्रिकेट में 300 विकेट की उपलब्धि हासिल करने से खुश भारतीय हरफनमौला रविंद्र जडेजा ने कहा कि यह पल हमेशा उनके साथ रहेगा। बांग्लादेश के खिलाफ यहां दूसरे टेस्ट के चौथे दिन जडेजा इस प्रतिष्ठित आंकड़े तक पहुंचने वाले सातवें भारतीय गेंदबाज बनें।

इस सूची में उनसे पहले अनिल कुंबले (619), आर अश्विन (524), कपिल देव (434), हरभजन सिंह (417), इशांत शर्मा (311) और जहीर खान (311) के नाम शामिल हैं। जडेजा ने चौथे दिन का खेल खत्म होने के बाद आधिकारिक प्रसारक से कहा, '' जब आप देश के लिए कुछ हासिल करते हैं तो यह काफी खास होता है। मैं 10 साल से टेस्ट खेल रहा हूं और अब इस उपलब्धि तक पहुंचा हूं। मैंने अच्छा प्रदर्शन किया है और मुझे खुद पर गर्व है। मैं इसे लेकर खुश और अच्छा महसूस कर रहा हूं।'' जडेजा इस उपलब्धि को हासिल करने को लेकर और अधिक उत्साहित है क्योंकि उन्हें करियर के शुरुआती दिनों में सफेद गेंद प्रारूप (सीमित ओवर प्रारूप) का खिलाड़ी माना जाता था। उन्होंने कहा, '' यह खास है और हमेशा मेरे साथ रहेगा। एक युवा खिलाड़ी के रूप में मैंने सफेद गेंद के क्रिकेट से शुरुआत की और हर कोई मुझसे कहता था कि मैं सफेद गेंद वाला क्रिकेटर हूं। मैंने हालांकि लाल गेंद से कड़ी मेहनत की और आखिरकार सारी मेहनत सफल रही।'' भारत के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने भी जडेजा की तारीफ करते हुए उन्हें गेंद का जादूगर करार दिया। उन्होंने दिन के खेल के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा, '' जडेजा एक संपूर्ण पैकेज हैं और उसके पास जादुई हाथ हैं। 300 विकेट क्लब में शामिल होना उनके लिए विशेष है।''

पहली अंतरराष्ट्रीय मास्टर्स लीग में खेलेंगे तेंदुलकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर एक बार फिर क्रिकेट के मैदान पर नजर आएंगे जब वह इस साल तीन आयोजन स्थलों पर होने वाली पहली अंतरराष्ट्रीय मास्टर्स लीग (आईएमएल) में हिस्सा लेंगे। इस टी20 प्रतियोगिता में छह टीम हिस्सा लेंगी।

आईएमएल में भारत, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका, वेस्टइंडीज, इंग्लैंड और श्रीलंका के खिलाड़ी हिस्सा लेंगे और इसके मैच मुंबई, लखनऊ और रायपुर में खेले जाएंगे।

हर साल आयोजित होने वाला यह टी20 टूर्नामेंट तेंदुलकर और भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर की योजना का हिस्सा है। गावस्कर इस लीग के आयुक्त भी होंगे। एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि तेंदुलकर और गावस्कर पीएमजी स्पोर्ट्स और खेल विपणन कंपनी स्पोर्टफाइव के साथ मिलकर भारत में लीग का आयोजन करने के लिए एक और कंपनी स्थापित करेंगे। किसी एक फ्रेंचाइजी टीम के स्वामित्व के माध्यम से लीग में भाग लेने में रुचि रखने वाले पक्षों को भी आमंत्रित किया गया था। तेंदुलकर ने कहा, ''पिछले दशक में टी20 क्रिकेट ने तेजी से लोकप्रियता हासिल की है और इस खेल में नए प्रशंसकों को आकर्षित किया है। अब सभी उम्र के प्रशंसकों में नए प्रारूपों में पुरानी जंग को फिर से देखने की तीव्र इच्छा है।''

सुविचार

अब समझ लेता हूं मीठे लफ़्ज़ों की कड़वाहट, हो गया है जिंदगी का तजुर्बा थोड़ा थोड़ा!

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अवसर गंवा दिया

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने यह कहकर पाकिस्तान को आईना दिखाया है कि यदि उसने मैत्रीपूर्ण संबंध रखे होते तो भारत उसे आईएमएफ से मांगे गए पैकेज से भी बड़ा राहत पैकेज दे देता। पाक ने बहुत बड़ा अवसर गंवा दिया। उसने अपने अस्तित्व में आने के बाद जो रास्ता अपनाया, वहां तबाही के अलावा कुछ और मिल ही नहीं सकता था। अगर हम दुनिया के अन्य इस्लामी देशों के साथ भारत के संबंधों का अध्ययन करें तो पाएंगे कि वे बहुत मैत्रीपूर्ण हैं। सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), कतर, कुवैत, मिस्र जैसे देशों का व्यवहार वैसा बिल्कुल नहीं है, जैसा कि पाकिस्तान का है। ईरान, जिसका पश्चिमी देशों और इजराइल के साथ दशकों से छत्तीस का आंकड़ा चल रहा है, भारत के साथ मधुर संबंध रखता है। उसके सर्वोच्च नेता खामेनेई कभी-कभार भावावेश में आकर कोई टिप्पणी जरूर कर देते हैं, लेकिन अन्य वरिष्ठ नेताओं का रुख हमेशा सकारात्मक रहा है। खासकर ईरान की आम जनता भारत की संस्कृति, संगीत, पहनावे, खानपान, फिल्मों आदि को बहुत पसंद करती है। कई इस्लामी देश तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपने सर्वोच्च नागरिक सम्मान से विभूषित कर चुके हैं। भारत के लाखों लोगों को इन देशों में रोजगार मिल रहा है। कतर ने तो अपने यहां फांसी की सजा पाए भारतीय नौसेना के आठ पूर्व कर्मियों को रिहा कर दिया था। वहीं, यूएई ने सहिष्णुता का ऐतिहासिक फैसला लेते हुए अबू धाबी में हिंदू मंदिर बनाने की इजाजत दे दी थी, जिसका उद्घाटन मोदी ने किया था। इन देशों में भी कुछ कट्टरपंथी तत्त्व हैं, लेकिन 'भारतविरोध' / 'हिंदूविरोध' वैसा नहीं मिलेगा, जैसा पाकिस्तान में है। आखिर, पाकिस्तान के साथ ऐसी क्या समस्या है, जिससे यह देश भारत से नफरत करता है, जबकि हमारी सरकारें इसकी ओर दोस्ती का ही हाथ बढ़ाती रही हैं?

इस पूरे झगड़े की जड़ है- दो कौमी नज़रिया, जिसका जहर जिन्ना ने पाकिस्तानियों के दिलो-दिमाग में कूट-कूटकर भर दिया। यह नज़रिया पाकिस्तान के स्कूलों-कॉलेजों की किताबों में पढ़ाया जाता है। वहां किसी को पासपोर्ट बनवाना हो या किसी ओहदे की शपथ लेनी हो, दो कौमी नज़रिए के प्रति अपना विश्वास व्यक्त करना होता है। यह नज़रिया सभी गैर-मुस्लिमों से नफरत करना सिखाता है। यह पाकिस्तानियों को बताता है कि पूरी दुनिया में सबसे पाक और महान लोग आप ही हैं। वहां इतिहास के नाम पर उन विदेशी आक्रांताओं का महिमामंडन किया जाता है, जिन्होंने कभी उन्हीं के पूर्वजों पर अत्याचार किए थे। ज्यादातर पाकिस्तानी अपनी पहचान को लेकर हमेशा भ्रम की स्थिति में रहते हैं। वे कभी खुद को अरब बताते हैं, कभी ईरानी, कभी अफगान तो कभी तुर्क बताकर फख्र महसूस करते हैं। एक पाकिस्तानी लेखक, जो बचपन से सुनते आए थे कि हमारे पूर्वज अरब देशों से थे, जो जंग जीतते-जीतते इधर आकर बस गए, ने जिज्ञासावश अपना डीएनए परीक्षण करवाया तो कहानी कुछ और ही निकली! उनके सभी पूर्वज भारतीय थे, जो एक-डेढ़ सदी पहले हिंदू थे। वास्तव में पाकिस्तानियों को इस भ्रम में रखना उनकी फौज और सरकार की बहुत बड़ी कारस्तानी है। पाकिस्तान की बुनियाद 'भारतविरोध' और 'हिंदूविरोध' पर टिकी है। ऐसे में पाक फौज और सरकार को लगता है कि भारत से अच्छे संबंध होने पर पाकिस्तान का अस्तित्व संकट में पड़ जाएगा, खासकर फौज की तो हमेशा कोशिश रही है कि शांति के प्रयासों को बेपटरी किया जाए! अगर पाकिस्तान के हुक्मरान अक्ल से काम लेते तो आज उनका देश बहुत खुशहाल होता। दोनों देशों के संबंध मधुर होते तो पाकिस्तान में महंगाई काबू में रहती। यह पड़ोसी देश पर्यटन से बहुत कमाई कर सकता था। उसका कपड़ा उद्योग बहुत उन्नति कर सकता था। पाक में आटे के लिए लंबी-लंबी लाइनें नहीं लगतीं और न ही पाकिस्तानी प्रधानमंत्री को आईएमएफ के सामने हाथ फैलाना पड़ता। लेकिन कर्मफल टल नहीं सकता। पाकिस्तान ने अतीत में ऐसे कर्म किए हैं, जिनका फल अभी उसे वर्षों तक भोगना ही पड़ेगा।

ट्वीटर टॉक

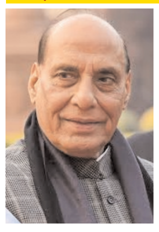

भाजपा ने हरियाणा का नॉन स्टॉप विकास किया है। यदि आप लोगों ने ग़लत बटन दबाया तो हरियाणा की यह जो लिफ्ट है, यह ऊपर जाने के बजाय बेसमेंट में चली जाएगी। इसलिए सही बटन दबाइए और हरियाणा को लिफ्ट कराइए।

-राजनाथ सिंह

भिनेता श्री मिथुन चक्रवर्ती जी का भारतीय सिनेमा जगत के सर्वोच्च सम्मान 'दादा साहेब फाल्के पुरस्कार' के लिए चयनित होने पर उन्हें हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं। लगभग 5 दशकों में आपने अपनी उत्कृष्ट सिनेमा यात्रा के माध्यम से करोड़ों दर्शकों का मनोरंजन किया है।

-अर्जुनराम मेघवाल

आज, विद्याधर नगर विधानसभा के खातीपुरा मंडल की जनसुनवाई कार्यक्रम में क्षेत्रवासियों की समस्याएँ सुनीं और उनके समाधान के लिए अधिकारियों को तत्काल निर्देशित किया। इस दौरान प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए लोगों से भी मुलाकात की।

-दीया कुमारी

प्रेरक प्रसंग

सदाचार से समृद्धि

पुराणों के अनुसार, महालक्ष्मी सदाचारी, पुरुषार्थी और सत्यवादी आदि गुणों से युक्त व्यक्ति के यहां ही निवास करती हैं। जो व्यक्ति निराशा और हताशा त्यागकर निरंतर धर्मानुसार जीवन जीता हुआ पुरुषार्थ करता है, वह सहज ही देवी लक्ष्मी की कृपा का अधिकारी बन जाता है। एक बार देवी रुक्मिणी ने लक्ष्मीजी से पूछा, 'देवी, आप किन-किन स्थानों में रहती हैं तथा किन्हें कृपा कर अनुगृहीत करती है?' लक्ष्मीजी ने बताया, 'मैं उन सदगृहस्थों के घरों में सतत निवास करती हूं, जो जितेंद्रिय (सदाचारी), कर्तव्यपरायण, कृतज्ञ और विनम्र होते हैं। वृद्धों और गुरुजनों की सेवा में रत रहने वाले लोग मुझे बहुत प्रिय हैं। इसी तरह, जो महिलाएं शीलवती, गुणवती और सबका मंगल चाहने वाली होती हैं, उनका संग मुझे बहुत भाता है। 'भगवती लक्ष्मी ने बताया, 'जो अकर्मण्य, आलसी, दुराचारी, क्रूर कृतघ्न, वृद्धों और गुरुजनों से बैर रखनेवाले हैं, मैं उनके पास रहना पसंद नहीं करती। इसी प्रकार, जो महिलाएं गृहस्थी के पालन-पोषण की चिंता नहीं करती, लज्जाहीन, अधीर, झगड़ालू और आलसी होती हैं ऐसी स्त्रियों का घर छोड़कर में चली जाती है।

सामयिक

वन नेशन वन इलेक्शन आज के भारत की आवश्यकता

प्रहलाद सबनानी
मोबाइल : 9987949940

स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात भारत में लोकसभा एवं विभिन्न प्रदेशों की विधानसभाओं के चुनाव एक साथ ही होते रहे हैं। परंतु केंद्र सरकार द्वारा कुछ विधानसभाओं को 1950 एवं 1960 के दशक में इनकी अवधि समाप्त होने के पूर्व ही भंग करने के चलते कुछ विधानसभाओं के चुनाव लोकसभा से अलग कराने की आवश्यकता पड़ी थी, उसके बाद से लोकसभा, विभिन्न राज्यों की विधानसभाओं एवं स्थानीय स्तर पर नगर निगमों, निकायों एवं पंचायतों के चुनाव अलग अलग समय पर कराए जाने लगे। आज स्थिति यह निर्मित हो गई है कि लगभग प्रत्येक सप्ताह अथवा प्रत्येक माह भारत के किसी न किसी भाग में चुनाव हो रहे होते हैं। ऐसा कहा जा रहा है कि पिछले पांच वर्षों के दौरान प्रत्येक वर्ष केवल 65 दिन ऐसे रहे हैं जब भारत के किसी स्थान पर चुनाव नहीं हुए हैं।

किसी भी देश में चुनाव कराए जाने पर न केवल धन खर्च होता है बल्कि जनबल का उपयोग भी करना पड़ता है। जनबल का यह उपयोग एक तरह से अनुत्पादक श्रम की श्रेणी में गिना जाना चाहिए क्योंकि इस प्रकार के श्रम से किसी प्रकार का उत्पादन तो होता नहीं है परंतु एक तरह से श्रमदान जरूर करना होता है। यह श्रम यदि बचाकर किसी उत्पादक कार्य में लगाया जाय तो केवल कल्पना ही की जा सकती है कि इस श्रम से देश के सकल घरेलू उत्पाद में अतुलनीय वृद्धि दर्ज की जा सकती है। अमेरिकी थिंक टैंक के एक अर्थशास्त्री के अनुसार, देश में बार बार चुनाव कराए जाने के चलते उस देश का सकल घरेलू उत्पाद लगभग एक प्रतिशत से कम हो जाता है। चुनाव कराने के लिए होने वाले खर्च पर भी यदि विचार किया जाय तो भारत में केवल लोकसभा चुनाव कराने के लिए ही 60,000 करोड़ रुपए का खर्च किया जाता है। आप कल्पना कर सकते हैं इस राशि में यदि विभिन्न प्रदेशों की विधानसभाओं, नगर निगमों, निकायों एवं ग्राम पंचायतों के चुनाव पर किए जाने वाले खर्च को भी जोड़ा जाय तो खर्च का यह आंकड़ा निश्चित ही एक लाख करोड़ रुपए के आंकडें को पार कर जाएगा।

उक्त बातों के ध्यान में आने के पश्चात केंद्र सरकार ने विचार किया है कि भारत में वन नेशन वन इलेक्शन के नियम को लागू किया जाना चाहिए। इस विचार को आगे बढ़ाने एवं इस संदर्भ में नियम आदि बनाने के उद्देश्य से भारत के पूर्व राष्ट्रपति माननीय श्री रामनाथ कोविंद जी की अध्यक्षता में एक विशेष समिति का गठन किया गया था। इस समिति ने अपनी रिपोर्ट हाल ही में राष्ट्रपति/केंद्र सरकार को सौंप दी है। इसके बाद, केंद्र सरकार के मंत्रिमंडल की समिति ने इस रिपोर्ट को स्वीकृत कर लिया है एवं इसे अब लोकसभा एवं राज्यसभा के सामने विचार के लिए प्रस्तुत किया जाएगा।

किसी भी देश की लोकतंत्रीय प्रणाली में समय पर चुनाव कराना एक महत्वपूर्ण कार्य होता है। चुनाव किस प्रकार हों, समय पर हों एवं सही तरीके से हों, इसका बहुत महत्व होता है। परंतु देश में चुनाव बार बार होना भी अपने आप में ठीक स्थिति नहीं कही जा सकती है। विश्व के कई देशों, यथा स्वीडन, ब्राजील, बेलजियम, दक्षिण अफ्रीका, आदि में समस्त प्रकार के चुनाव एक साथ ही कराए जाने के नियम का पालन सफलतापूर्वक किया जा रहा है। चुनाव एक साथ कराने के कई फायदे हैं जैसे इन देशों में चुनाव कराने सम्बंधी खर्चों पर नियंत्रण रहता है। दूसरे, सुरक्षा हेतु पुलिसकर्मियों एवं चुनाव करवाने के लिए स्थानीय कर्मचारियों की बड़ी मात्रा में आवश्यकता को कम किया जा सकता है।

तीसरे, देश में चुनाव एक साथ कराने से अभिशासन पर अधिक ध्यान दिया जा सकता है एवं चौथे विभिन्न स्तर के चुनाव एक साथ कराने से चुनाव में वोट डालने वाले नागरिकों की संख्या में निश्चित ही वृद्धि होती है क्योंकि नागरिकों को मालूम होता है कि पांच साल में केवल एक बार ही वोट डालना है अतः वह अन्य कार्यों को दरकिनार करते हुए अपने वोट डालने के अधिकार का उपयोग करना पसंद करता है। इसी प्रकार यदि कोई नागरिक किसी अन्य नगर यथा दिल्ली में कार्य कर रहा है और उसके मुंबई का निवासी होने चलते उसे वोट डालने के लिए मुंबई जाना होता है तो पांच वर्ष में एक बार तो इस महान कार्य के लिए वह दिल्ली से मुंबई आ सकता है परंतु पांच वर्षों में पांच बार तो वह दिल्ली से मुंबई नहीं जा पाएगा। इसके अलावा लोकसभा, विधानसभाओं, स्थानीय निकायों एवं पंचायतों के चुनाव अलग अलग होने से विभिन्न पार्टियों के पदाधिकारी, इनमें केंद्र सरकार एवं राज्य सरकारों के मंत्री आदि भी शामिल रहते हैं, अपना सरकारी कार्य छोड़कर चुनाव प्रचार के लिए अपना समय देते हैं। जबकि, यह समय तो उन्हें देश एवं प्रदेश की सेवा में लगाना चाहिए। इससे देश में अभिशासन की गुणवत्ता पर भी विपरीत प्रभाव पड़ता है।

वन नेशन वन इलेक्शन के लिए गठित उक्त विशेष समिति ने यह सलाह दी है कि शुरुआत में लोकसभा एवं समस्त प्रदेशों की विधान सभाओं के चुनाव एक साथ कराए जा सकते है। यदि ऐसा होता है तो यह भी सही है कि देश में लोकसभा एवं विधान सभा चुनाव एक साथ कराने के लिए संसाधनों की भारी मात्रा में आवश्यकता पड़ेगी, इसका हल किस प्रकार निकाला जाएगा इस पर भारतीय संसद में विचार किया जा सकता है। साथ ही, भारत में 6 राष्ट्रीय दल, 54 राज्य स्तरीय दल एवं 2000 से अधिक गैर मान्यता प्राप्त दल हैं जिनके बीच में सामंजस्य स्थापित करने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। साथ ही, भारत में अंतिम बार लोकसभा एवं विधानसभाओं के चुनाव एक साथ 1960 के दशक में कराए गए थे। आज भारतीय नागरिकों को भी शिक्षित करने की आवश्यकता होगी कि लोकसभा, विधान सभाओं एवं स्थानीय निकायों के चुनाव एक साथ किस प्रकार कराए जा सकते हैं ताकि उन्हें वोट डालने में किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो। इन समस्याओं का हल भारतीय संसद में चर्चा के दौरान निकाला जा सकता है। यदि किसी कारण से केंद्र में लोकसभा अथवा किसी प्रदेश में विधानसभा पांच वर्ष की समय सीमा के पूर्व ही गिर जाती है तो लोकसभा अथवा उस प्रदेश की विधान सभा के चुनाव शेष बचे हुए समय के लिए पुनः कराए जा सकते हैं, ऐसे प्रावधान को कानूनी रूप प्रदान दिया जा सकता है। इससे विभिन्न राजनैतिक दलों के सांसदों एवं विधायकों पर भी यह दबाव रहेगा कि वे लोकसभा अथवा विधानसभा को समय पूर्व भंग कराने अथवा गिराने का प्रयास नहीं करें।वन नेशन वन इलेक्शन के सम्बंध में कुछ संशोधन तो देश के वर्तमान कानून में करने ही होंगे और फिर पूर्व में भी विभिन्न विषयों पर अलग अलग खंडकाल में (समय समय पर) 100 बार से अधिक संशोधन कानून में किए ही जा चुके हैं।

यह तर्क भी सही नहीं है कि देश में एक साथ चुनाव कराने से भारत के नागरिक केंद्र एवं राज्यों में एक ही राजनैतिक दल की सरकार चुनने को प्रोत्साहित होंगे। परंतु, भारत का नागरिक अब पूर्ण रूप से परिपक्व एवं सक्षम हो चुका है कि वह लोकसभा एवं विधान सभा चुनाव एक साथ कराए जाने पर केवल एक ही दल की सरकार को नहीं चुनेगा। देश में ऐसा कई बार हुआ है कि लोकसभा एवं विधान सभा के एक साथ हुए चुनवा में लोकसभा में एक दल के सांसद को चुना गया है एवं विधान सभा में किसी अन्य दल के विधायक को चुना गया है।

भारत आज एक विकसित राष्ट्र बनने की ओर अग्रसर है, ऐसे समय में भारत को अपने संसाधनों का उत्पादक कार्यों के लिए उपयोग करना आवश्यक होगा न कि रक्षा एवं सरकारी कर्मचारी देश में बार बार हो रहे चुनाव के कार्यों में व्यस्त रहें। कुल मिलाकर वन नेशन वन इलेक्शन, देश के हित में उठाया जा रहा एक मजबूत कदम है। इस विषय पर, भारत के हित में, देश के समस्त राजनैतिक दलों को गम्भीरता से विचार कर इस नियम को भारत में लागू किया जाना चाहिए।

नजरिया

ग्रामीण विकास और गांधी के सपनों का भारत

नृपेन्द्र अभिषेक नृप

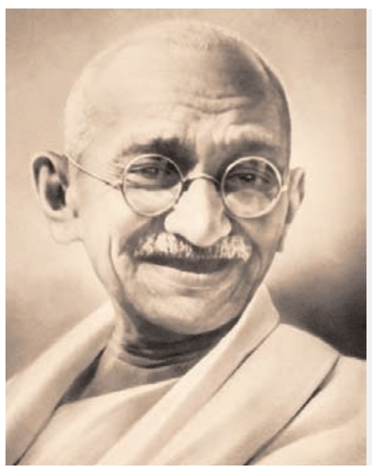

गांवों और शहरों के बीच संतुलित विकास के लिए गांव-शहर सहयोग मॉडल विकसित किया जा सकता है। यह मॉडल इस आधार पर काम करेगा कि गांव और शहर एक-दूसरे के पूरक बनें और उनके बीच संसाधनों और सेवाओं का आदान-प्रदान हो। उदाहरण के लिए, गांवों में उत्पादित कृषि उत्पादों को शहरों में बेचा जा सकता है, जबकि शहरों की तकनीकी सेवाएं और उद्योग गांवों तक पहुंचाई जा सकती हैं। गांवों के विकास में सामुदायिक सहभागिता एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यदि गांव के लोग अपने विकास के प्रति जागरूक और सक्रिय होते हैं, तो वे न केवल सरकारी योजनाओं का बेहतर उपयोग कर सकते हैं, बल्कि अपनी जरूरतों और समस्याओं का समाधान भी निकाल सकते हैं।

महात्मा गांधी का सपना एक ऐसे भारत का निर्माण करना था, जहां गांवों का विकास हो, न कि केवल शहरों का। भारत एक कृषि प्रधान देश है, जहां की अधिकांश जनसंख्या ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करती है। लेकिन विडंबना यह है कि विकास की मुख्यधारा शहरों में केंद्रित हो गई है और ग्रामीण क्षेत्रों को अपेक्षित महत्व नहीं मिल पाया है। वर्तमान समय में, जब सरकारें ग्रामीण विकास के लिए कई योजनाएं बना रही हैं, तब भी निचले स्तर पर आवश्यक सेवाओं और सुविधाओं की कमी बनी हुई है। स्वास्थ्य सेवा किसी भी समाज की नींव होती है, और इसका मजबूत होना बेहद आवश्यक है। लेकिन वर्तमान स्थिति यह है कि शहरों में उच्च गुणवत्ता वाले स्वास्थ्य सेवाओं का अधिक प्रवाह हो रहा है, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में डॉक्टरों की कमी है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (झकउ) जो ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं के लिए मुख्य केंद्र होते हैं, अक्सर अच्छी सुविधाओं और विशेषज्ञ डॉक्टरों से वंचित रहते हैं।

वर्ष 2023 की स्वास्थ्य रिपोर्ट के अनुसार, ग्रामीण क्षेत्रों में डॉक्टरों की कमी के कारण कई लोग प्राथमिक इलाज के लिए शहरों की ओर रुख करते हैं। यह स्थिति ग्रामीण विकास में बाधा उत्पन्न करती है और गांवों में जीवन स्तर को नीचे लाती है। इसका समाधान यह हो सकता है कि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (झकउी) में अच्छे डॉक्टरों की तैनाती सुनिश्चित की जाए , साथ ही उनके वेतन और भत्तों में अंतर रखा जाए, ताकि वे शहरों की बजाय ग्रामीण क्षेत्रों में काम करने के लिए प्रोत्साहित हों। इस संदर्भ में, उन डॉक्टरों को जो दूरदराज क्षेत्रों में तैनात होते हैं, अधिक वेतन और भत्ते दिए जा सकते हैं।

शिक्षा किसी भी समाज की प्रगति का आधार है। लेकिन जब बात ग्रामीण क्षेत्रों की आती है, तो स्थिति यहां भी दयनीय है। एक ओर, शहरों में जहां अच्छे शिक्षकों की अधिकता है, वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में अक्सर कम योग्य और अयोग्य शिक्षक पाए जाते हैं। इसका परिणाम यह होता है कि वहां के छात्र अपेक्षित गुणवत्ता की शिक्षा से वंचित रहते हैं। वर्ष 2023 की शिक्षा रिपोर्ट में पाया गया कि ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में शिक्षकों की संख्या कम है, और जो शिक्षक वहां तैनात हैं, उनकी गुणवत्ता भी सवालों के घेरे में है। इसका कारण यह है कि अधिकतर शिक्षक शहरों में तैनाती को प्राथमिकता देते हैं और ग्रामीण क्षेत्रों में जाने से बचते हैं। इसे बदलने के लिए 'प्रोत्साहन भत्तों की व्यवस्था करनी चाहिए', जिसमें ग्रामीण क्षेत्रों में काम करने वाले शिक्षकों को अधिक वेतन और अन्य सुविधाएं दी जाएं, जैसे कि अतिरिक्त आवास भत्ता और यात्रा सुविधाएं। वर्तमान व्यवस्था में शहरों के शिक्षकों और कर्मचारियों को अधिक हाउस रेंट अलाउंस (एचआरए) दिया जाता है जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में तैनात कर्मचारियों को कम। यह एक असमान व्यवस्था है, क्योंकि शहरों में काम के अधिक अवसर होते हैं, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में सीमित। इसीलिए इसमें समानता लाया जाए।

गांवों से शहरों की ओर पलायन का एक मुख्य कारण रोजगार के सीमित अवसर हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर पैदा करके इस पलायन को रोका जा सकता है। मनरेगा (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम) जैसी योजनाएं इस दिशा में सहायक हो सकती हैं, लेकिन इसके साथ ही स्थायी रोजगार के अवसरों का निर्माण भी आवश्यक है। ग्रामीण विकास के कार्यों में सबसे बड़ी बाधाओं में से एक है भ्रष्टाचार और प्रशासनिक लापरवाही। कई बार यह देखा जाता है कि गांवों में चल रही योजनाओं का लाभ वहां के लोगों तक नहीं पहुंच पाता है क्योंकि प्रशासनिक स्तर पर भ्रष्टाचार और लापरवाही के कारण विकास कार्य अधूरे रह जाते हैं। इसे नियंत्रित करने के लिए पारदर्शिता और उत्तरदायित्व सुनिश्चित करना आवश्यक है। इसके लिए सरकार को डिजिटल मॉनिटरिंग सिस्टम लागू करना चाहिए, जिसके माध्यम से ग्रामीण विकास योजनाओं की निगरानी की जा सके और भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाया जा सके। इसके अलावा, जनता की भागीदारी सुनिश्चित करके उन्हें विकास कार्यों का हिस्सा बनाया जाना चाहिए, ताकि वे भी योजनाओं की निगरानी कर सकें। पंचायती राज और लोकल गवर्नेंस को और मजबूत बनाकर प्रशासनिक स्तर पर जवाबदेही तय की जानी चाहिए।

सरकार को गांवों में लोक अदालतों और ग्रामीण न्यायालयों की स्थापना करनी चाहिए, जहां त्वरित और सस्ता न्याय प्राप्त हो सके। 2024 की ग्रामीण न्याय रिपोर्ट के अनुसार, यदि ग्रामीण क्षेत्रों में न्याय की पहुंच को बेहतर किया जाए, तो वहां के लोगों की समस्याओं का समाधान जल्दी और सुलभ तरीके से हो सकेगा। न्यायिक सुधारों के साथ ही, कानूनी साक्षरता पर भी ध्यान दिया जाना चाहिए, ताकि ग्रामीण लोग अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक हो सकें। वर्तमान युग में डिजिटल साक्षरता एक महत्वपूर्ण आवश्यकता बन चुकी है। शहरों में लोग इंटरनेट और डिजिटल सेवाओं का व्यापक रूप से उपयोग कर रहे हैं, जबकि गांवों में यह सुविधा अभी भी सीमित है। डिजिटल इंडिया जैसी योजनाओं के माध्यम से सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों में इंटरनेट सुविधाओं का विस्तार तो किया है, लेकिन इसे और व्यापक बनाने की जरूरत है।

गांवों के आर्थिक विकास के लिए कृषि और ग्रामीण उद्योग महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। कृषि जहां ग्रामीण जीवन का प्रमुख आधार है, वहीं ग्रामीण उद्योगों को प्रोत्साहन देकर रोजगार के नए अवसर सृजित किए जा सकते हैं। सरकार द्वारा कृषि के क्षेत्र में किसानों के लिए नई तकनीकों का परिचय कराना, सिंचाई की सुविधाओं का विस्तार करना, और फसल उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए नई योजनाएं लाना आवश्यक है। साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में लघु और कुटीर उद्योगों को बढ़ावा देकर वहां रोजगार के अवसर बढ़ाए जा सकते हैं। गांधीजी का मानना था कि गांवों का विकास तभी हो सकता है जब पंचायतों को सशक्त किया जाए। पंचायती राज व्यवस्था को मजबूत करके ही गांवों का समग्र विकास किया जा सकता है। इसमें गांव की आवश्यकताओं के अनुरूप विकास योजनाओं का क्रियान्वयन किया जा सकता है। पंचायती राज के तहत शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क निर्माण, पानी, बिजली जैसी बुनियादी सेवाओं को सुनिश्चित करना चाहिए। सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि गांव के लोग ही गांव के विकास का नेतृत्व करें। उन्हें पंचायत स्तर पर अधिक अधिकार दिए जाएं, जिससे वे अपने गांव की जरूरतों के हिसाब से योजनाएं बना सकें और उनका सही क्रियान्वयन कर सकें। इसके लिए आवश्यक वित्तीय और तकनीकी सहायता भी सरकार को प्रदान करनी चाहिए।

गांवों और शहरों के बीच संतुलित विकास के लिए गांव-शहर सहयोग मॉडल विकसित किया जा सकता है। यह मॉडल इस आधार पर काम करेगा कि गांव और शहर एक-दूसरे के पूरक बनें और उनके बीच संसाधनों और सेवाओं का आदान-प्रदान हो। उदाहरण के लिए, गांवों में उत्पादित कृषि उत्पादों को शहरों में बेचा जा सकता है, जबकि शहरों की तकनीकी सेवाएं और उद्योग गांवों तक पहुंचाई जा सकती हैं। गांवों के विकास में सामुदायिक सहभागिता एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यदि गांव के लोग अपने विकास के प्रति जागरूक और सक्रिय होते हैं, तो वे न केवल सरकारी योजनाओं का बेहतर उपयोग कर सकते हैं, बल्कि अपनी जरूरतों और समस्याओं का समाधान भी निकाल सकते हैं। इसके लिए जरूरी है कि स्थानीय नेतृत्व को प्रोत्साहन दिया जाए और गांवों में सामुदायिक संगठन और सहकारी समितियों का विकास किया जाए।

ग्रामीण क्षेत्रों में वित्तीय समावेशन एक बड़ी चुनौती है। हालांकि सरकार ने जन धन योजना, आधार और मोबाइल बैंकिंग जैसी योजनाओं के माध्यम से ग्रामीण बैंकिंग प्रणाली में सुधार करने के प्रयास किए हैं, फिर भी कई ग्रामीण इलाकों में अभी भी लोग बैंकिंग सेवाओं से वंचित हैं। गांवों के विकास में सबसे बड़ी बाधा वहां के बुनियादी ढांचे की कमी है। सड़क, पानी, बिजली, शिक्षा, और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सेवाएं कई ग्रामीण क्षेत्रों में अभी भी पूरी तरह से उपलब्ध नहीं हैं। प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना,हर घर जल योजनान, और सौभाग्य योजना जैसी सरकारी योजनाओं के माध्यम से गांवों में इन सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है, लेकिन इसे और अधिक सशक्त बनाने की आवश्यकता है। 2023 की बुनियादी ढांचा विकास रिपोर्ट के अनुसार, ग्रामीण क्षेत्रों में सड़कों की गुणवत्ता और बिजली की उपलब्धता में सुधार की आवश्यकता है। इसके अलावा, सुरक्षित पेयजल और सैनिटेशन की सुविधाओं का विस्तार भी किया जाना चाहिए, ताकि गांवों में स्वास्थ्य और स्वच्छता का स्तर बढ़ सके। जब गांवों में बुनियादी सुविधाएं बेहतर होंगी, तब वहां का जीवन स्तर भी ऊंचा उठेगा और लोगों को शहरों की ओर पलायन करने की आवश्यकता नहीं होगी। शहरों और गांवों के बीच की असमानता को समाप्त करने के लिए गांवों में काम करने वाले सरकारी कर्मचारियों को प्रोत्साहन भत्तों, आवास भत्तों, और अन्य सुविधाओं का विस्तार करना होगा। साथ ही, गांवों में स्थानीय नेतृत्व और सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा देकर वहां के लोगों को अपने विकास की दिशा में सक्रिय रूप से भागीदारी निभाने का अवसर प्रदान करना होगा।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ये 'या-या' क्या है? ये कोई 'कॉफी शॉप' नहीं है : नाराज सीजेआई ने याचिकाकर्ता से कहा

नई दिल्ली/भाषा

प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ ने सोमवार को एक मामले की सुनवाई के दौरान जनहित याचिका दायर करने वाले वादी के लहजे पर कड़ी नाराजगी जताई और पूछा कि यह 'या-या' क्या है? उन्होंने कहा कि यह कोई 'कॉफी शॉप' नहीं है और उन्हें ऐसे शब्दों से ''बहुत एलर्जी'' है।

यह घटनाक्रम शीर्ष अदालत में तब हुआ जब पूर्व प्रधान न्यायाधीश रंजन गोगोई को एक जनहित याचिका में पक्षकार बनाए जाने और सेवा विवाद से संबंधित याचिका को खारिज करने संबंधी मामले में उनके खिलाफ आंतरिक जांच की मांग किए जाने से जुड़ी जनहित याचिका पर सुनवाई की जा रही थी।

शुरुआत में ही प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) ने उस समय नाराजगी जताई जब वादी ने पीठ के कुछ सवालों के जवाब में 'यस' के बजाय 'या-या' कहा।

न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा, ''यह 'या-या' क्या है? ये कोई कॉफी शॉप नहीं है। मुझे इस 'या-या' से बहुत एलर्जी है। इसकी अनुमति नहीं दी जा सकती।''

प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने पुणे में रहने वाले वादी से कहा, ''आप किसी न्यायाधीश को प्रतिवादी बनाकर जनहित याचिका कैसे दायर कर सकते हैं? कुछ तो गरिमा होनी चाहिए। आप यह नहीं कह सकते कि मैं एक न्यायाधीश के खिलाफ आंतरिक जांच चाहता हूं, बस। न्यायमूर्ति रंजन गोगोई उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश रहे हैं।''

पीठ ने कहा, ''वह (गोगोई) भारत के प्रधान न्यायाधीश के पद से सेवानिवृत्त हुए। क्योंकि आप पीठ के समक्ष सफल नहीं हुए, इसलिए आप यह नहीं कह सकते कि मैं किसी न्यायाधीश के खिलाफ आंतरिक जांच चाहता हूं। क्षमा करें, हम इसे बर्दाश्त नहीं कर सकते।''

याचिकाकर्ता ने श्रम कानूनों के तहत उसकी सेवा समाप्त किए जाने से संबंधित उसकी याचिका को न्यायमूर्ति गोगोई के नेतृत्व वाली पीठ द्वारा खारिज किए जाने के बाद एक जनहित याचिका दायर की थी। न्यायमूर्ति गोगोई सेवानिवृत्त हो चुके हैं।

वादी ने कहा कि यह ''अवैध रूप से सेवा समाप्त किए जाने'' का मामला है।

प्रधान न्यायाधीश ने कहा, ''याचिका और पुनर्विचार याचिका खारिज होने के बाद आप सेवा मामले में जनहित याचिका कैसे दायर कर सकते हैं, आपको सुधारात्मक याचिका दायर करनी चाहिए थी।'' उन्होंने वादी को कानूनी मुद्दों और प्रक्रियात्मक आपत्तियों को समझाने के लिए मराठी भाषा में भी बात की और उससे शीर्ष अदालत की रजिस्ट्री के समक्ष यह बयान देने के लिए कहा कि वह पूर्व प्रधान न्यायाधीश का नाम पक्षकारों की सूची से हटा देगा।

प्रधान न्यायाधीश ने कहा, ''....क्या आप न्यायमूर्ति गोगोई का नाम हटाएंगे? क्या आप यह लिखित में देंगे...आप पहले इसे हटाएं और फिर हम देखेंगे।''

तर्पण

गया में सोमवार को गया में 'पितृ पक्ष' के रूप में 'पिंड दान' अनुष्ठान के दौरान एक विदेशी 'तर्पण' में भाग लेती हुई

लावारिस शवों की अंत्येष्टि करने वाली उम्र की महिला ने '200 साल पुराने' पेड़ का किया अंतिम संस्कार

लखनऊ/मुजफ्फरनगर (उप्र)/भाषा

लावारिस शवों की अंत्येष्टि करने वाली 37 वर्षीय शालू सैनी यह कार्य गरीबों की सेवा करने के लिए करती हैं। लेकिन उन्होंने पहली बार एक पेड़ का अंतिम संस्कार कर समाज को एक महत्वपूर्ण संदेश देने की कोशिश की है।

सैनी (37) ने सोमवार को 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि मुजफ्फरनगर जिले में 200 साल पुराना 'सेमल' का एक विशालकाय पेड़ पिछले बुधवार को अचानक गिर गया। इस पेड़ का 'अंतिम संस्कार' शुक्रवार को जिले के नई मंडी श्मशान घाट पर किया गया।

इस दौरान, सैनी ने अंत्येष्टि की हिंदू रस्मों के तहत पेड़ के कुछ हिस्से अग्नि में डाले।

सैनी के अनुसार, पिछली करीब पांच पीढ़ियों को अपनी छांव दे चुके इस पेड़ को लेकर गांव के बुजुर्गों के जहन में अनेक यादें बसी हुई हैं। उन्होंने कहा कि पेड़ का अंतिम संस्कार उसे 'मुक्ति' दिलाने की एक कवायद थी और उन्होंने यह काम अपनी अंतरात्मा की आवाज सुनकर किया। उन्होंने कहा, जब मैंने पेड़ को धराशायी देखा तो मुझे ऐसा लगा जैसे मैंने अपने परिवार के किसी बुजुर्ग को खो दिया हो।

सैनी ने बताया कि पेड़ के अंतिम संस्कार की रस्म शुरू करने से पहले उन्होंने एक पुजारी से सलाह ली। उन्होंने कहा कि उन्होंने पेड़ की अंत्येष्टि के बारे में किसी से कुछ नहीं कहा था और लोगों को बाद में इसकी जानकारी मिली। उन्होंने कहा, ''अगर मुझे बाबा महाकाल (भगवान शिव) से आदेश मिलता है तो मैं पेड़ों का इस तरह से अंतिम संस्कार करना जारी रखूंगी। पेड़ हमें ऑक्सीजन, छाया, फूल और फल देते हैं और मुझे लगता है कि वे पूरे सम्मान के साथ विदाई के हकदार हैं।

सैनी ने कहा कि वह आगामी 'पितृ विसर्जन अमावस्या' के दौरान इस पेड़ के लिए 'हवन' भी करेंगी।

वह पिछले पांच वर्षों से जिले में लावारिस शवों का अंतिम संस्कार कर रही हैं और गरीबों को उनके प्रियजनों के अंतिम संस्कार की रस्मों में मदद भी करती हैं। उन्होंने अब तक 3,000 से अधिक लावारिस शवों का अंतिम संस्कार करने का दावा किया।

प्रयागराज स्थित 'राम नाम बैंक' के संयोजक आशुतोष वार्ष्णेय ने पेड़ के अंत्येष्टि कार्यक्रम पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए 'पीटीआई-भाषा' से कहा, शालू सैनी निश्चित रूप से समाज के सभी वर्गों से प्रशंसा की पात्र हैं। उन्होंने कहा कि अगर लोग अपने पालतू जानवरों का अंतिम संस्कार करते हैं, तो पेड़ का क्यों नहीं होना चाहिए।

वार्ष्णेय ने कहा कि भगवान राम को समर्पित धार्मिक संगठन, 'राम नाम बैंक' 2025 में प्रयागराज में होने वाले महाकुंभ में सैनी को सम्मानित करेगा।

वर्ष 2020 में लॉकडाउन के दौरान चंद्रमा के तापमान में गिरावट देखी गई : अध्ययन

नई दिल्ली/भाषा

पृथ्वी पर 2020 में हुआ कोविड-19 लॉकडाउन का असर चंद्रमा तक भी पहुंचने की संभावना है क्योंकि अप्रैल-मई 2020 के दौरान चंद्रमा के तापमान में असामान्य रूप से गिरावट पाई गई है। एक अध्ययन में यह बात कही गई है। इस अवधि में पृथ्वी के प्राकृतिक उपग्रह पर अधिकतम तापमान में गिरावट आई, जबकि रातें लगभग 8-10 डिग्री सेल्सियस तक ठंडी होने का पता चला। अहमदाबाद में स्थित फिजिकल रिसर्च लेबोरेटरी के शोधकर्ता के. दुर्गा प्रसाद और जी. एम्बिली ने 'मंथली नोटिसेज ऑफ द रॉयल एस्ट्रोनॉमिकल सोसायटी: लेटर्स' नामक पत्रिका में प्रकाशित एक अध्ययन में कहा है कि पृथ्वी पर जलवायु परिवर्तन का अध्ययन करने के लिए चंद्रमा संभवतः एक 'आधार' के रूप में काम कर सकता है। कोविड-19 रोग के प्रसार को रोकने के लिए, सबसे पहले मार्च 2020 में चीन और इटली में लॉकडाउन लागू किया गया था। अन्य देशों ने भी इन उपायों को तुरंत अपना लिया गया और इसके अगले महीने तक, दुनिया की लगभग आधी आबादी को किसी न किसी रूप में लॉकडाउन के तहत रहना पड़ा। लॉकडाउन के कारण औद्योगिक प्रदूषण, परिवहन और जीवाश्म ईंधन के उपयोग जैसी मानवीय गतिविधियों पर गहरा असर पड़ा है। अध्ययनकर्ताओं ने कहा कि मानवीय गतिविधियों में कमी के कारण ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन एवं प्रदूषक स्तर कम हुआ है, और इसलिए रात के समय पृथ्वी की सतह से कम ताप उत्सर्जित हुआ। इस गर्मी का एक हिस्सा रात के समय चंद्रमा के पृथ्वी की ओर वाले हिस्से तक पहुंचता है और चंद्र सतह को गर्म करता है। इसलिए, लॉकडाउन से जुड़े प्रभावों को देखने के लिए, शोधकर्ताओं ने 2017-2023 तक चंद्रमा के पृथ्वी की ओर वाले हिस्से पर छह स्थानों पर दर्ज रात के समय के सतही तापमान का विश्लेषण किया।

अप्रैल-मई 2020 के दौरान, चंद्रमा तक पहुंचने वाली गर्मी काफी कम हो गई थी, और इसलिए, इसका कारण कोविड-19 लॉकडाउन को माना गया।

लेखकों ने लिखा, अप्रैल 2020 से मई 2020 की वैश्विक लॉकडाउन अवधि के दौरान सभी स्थानों पर अधिकतम तापमान में कमी देखी गई। हमने रात के समय तापमान में लगभग 8-10 केल्विन का परिवर्तन देखा है। उन्होंने कहा कि चंद्रमा के अवलोकन, जैसे कि रात के समय का तापमान, जलवायु परिवर्तन के अध्ययन के लिए चल रहे प्रयासों में संभवतः सहायता कर सकते हैं।

मोरक्को के सशस्त्र बलों के लिए पहिएदार बख्तरबंद प्लेटफॉर्म बनाएगी टीएएसएल

नई दिल्ली/भाषा। टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड (टीएएसएल) ने सोमवार को पहिएदार बख्तरबंद प्लेटफॉर्म बनाने के लिए मोरक्को के रॉयल सशस्त्र बलों के साथ रणनीतिक साझेदारी करने की घोषणा की। कंपनी को उम्मीद है कि इस समझौते के साथ ही अन्य अफ्रीकी देशों में ऐसे ही उपक्रमों की तलाश करने में उसे मदद मिलेगी। यह मोरक्को का पहला बड़ा रक्षा विनिर्माण संयंत्र होगा और भारत के बाहर किसी भारतीय रक्षा मूल उपकरण विनिर्माता की पहली उत्पादन इकाई होगी।

स्वागत

अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू और उपमुख्यमंत्री चौना मीन ने केंद्रीय वित्त और कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण का ईटानगर पहुंचने पर स्वागत किया।

'इमरजेंसी' के विवादित दृश्य को हटाने पर सहमत हैं कंगना

मुंबई/एजेंसी

भारतीय जनता पार्टी सांसद एवं बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत अपनी फिल्म 'इमरजेंसी' से सेंसर बोर्ड की पुनरीक्षण समिति की ओर से सुझाए गए कट और परिवर्तनों पर सहमति व्यक्त की है। केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड ने बॉम्बे उच्च न्यायालय को यह जानकारी दी। सीबीएफसी के वकील डॉ अभिनव चंद्रचूड़ ने अदालत को सूचित किया कि रनौत ने वास्तव में पुनरीक्षण समिति द्वारा सुझाए गए परिवर्तनों पर सहमति व्यक्त की है और बताया कि कटौती फिल्म की अवधि के बमुश्किल एक मिनट के बराबर है। जस्टिस बी पी कोलाबावाला और फिरदोस पी पूनीवाला की खंडपीठ जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज लिमिटेड द्वारा सीबीएफसी के खिलाफ कथित रूप से अवैध और मनमाने ढंग से इमरजेंसी को दिए गए प्रमाण पत्र को रोकने के खिलाफ याचिका पर सुनवाई कर रही है। सह-निर्माताओं ने यह पता लगाने के लिए समय मांगा कि क्या बदलाव किए जा सकते हैं। जब मामले की सुनवाई हुई तो वरिष्ठ अधिवक्ता शरण जगतियानी ने पीठ को सूचित किया कि रनौत ने सीबीएफसी के साथ बैठक की है और सुझाए गए दृश्यों को हटाने पर सहमति जताई है। अदालत ने मामले की सुनवाई 03 अक्टूबर तक के लिए स्थगित कर दी।

जोडी कोमर की बहुत बड़ी फैन हैं तृप्ति डिमरी

मुंबई/एजेंसी

बॉलीवुड अभिनेत्री तृप्ति डिमरी का कहना है कि वह हॉलीवुड अभिनेत्री जोडी कोमर की बहुत बड़ी फैन हैं और उनसे मिलना चाहती हैं। तृप्ति डिमरी तेजी से फिल्म इंडस्ट्री में अपनी पहचान बना रही हैं। तृप्ति डिमरी ने हॉलीवुड की एक ऐसी हस्ती के लिए अपनी प्रशंसा साझा की, जिसने उनके अभिनय को गहराई से प्रभावित किया है।हाल ही में एक कार्यक्रम के दौरान, तृप्ति एमी पुरस्कार विजेता अभिनेत्री जोडी कोमर के लिए अपने प्यार के बारे में बात की। तृप्ति डिमरी ने कहा,एक हॉलीवुड अभिनेत्री जिससे मैं मिलना चाहूंगी, वह हैं जोडी कोमर। मैं किलिंग ईव के बाद से उनकी बहुत बड़ी प्रशंसक रही हूं। मैंने किलिंग ईव देखने के बाद उन्हें मैसेज किया क्योंकि मैं उनके अभिनय से अभिभूत थी और सोच रही थी कि उन्होंने यह कैसे किया। मैंने वास्तव में कला के लिए उनके कुछ दृश्य देखे, बस यह देखने के लिए कि वह जो कर रही हैं, वह कैसे कर रही हैं। उन्होंने शो में शानदार काम किया है। तृप्ति डिमरी की आने वाली फिल्मों में विक्की विद्या का वो वाला वीडियो,भूल भुलैया 3 और धड़क 2 शामिल हैं।इसके अतिरिक्त, वह विशाल भारद्वाज की आगामी अनाम एक्शन ड्रामा में एक चुनौतीपूर्ण भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं।

पहले दिन ही 100 करोड़ी क्लब में शामिल हुई 'देवरा पार्ट-1'

मुंबई/एजेंसी

साउथ सुपरस्टार जूनियर एनटीआर और जान्हवी कपूर स्टारर फिल्म देवरा: पार्ट 1 इस शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। फिल्म में विलेन के रोल में सैफ अली खान ने धमाल मचा दिया है। 300 करोड़ के बजट में बनी इस फिल्म को लोगों ने मिक्स रिव्यू दिए हैं। फिल्म ने पहले दिन यानी शुक्रवार को 77 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया। डायरेक्टर कोराताला शिवा की इस फिल्म को साउथ के साथ हिंदी बेल्ट में भी पसंद किया जा रहा है। रिलीज से पहले ही फिल्म ने एडवांस बुकिंग के मामले में बाजी मार ली थी। फिल्म ने रिलीज से पहले ही एडवांस बुकिंग में 27 करोड़ की कमाई कर ली थी। अब सैकनिल्क के आंकड़ों के मुताबिक फिल्म ने शुक्रवार को भारत में 77 करोड़ और दुनियाभर में 140 करोड़ का कलेक्शन किया। साथ ही अभी वीकेंड भी आना बाकी है। शनिवार यानी आज फिल्म के मेकर्स इसके 100 करोड़ क्लब में शामिल होने की उम्मीद कर रहे हैं। माना जा रहा है कि फिल्म 2 दिन में ही 100 करोड़ क्लब में अपनी जगह बना लेगी। लेकिन इस बड़े बजट की फिल्म को कमाई के लिए 300 करोड़ रुपए से ज्यादा का कलेक्शन करना होगा। पहले दिन की कमाई के हिसाब से फिल्म खरते में है। अब ये वीकेंड इसका भविष्य तय करेगा। फिल्म में जान्हवी कपूर और जूनियर एनटीआर बड़े पर्दे पर रोमांस करते नजर आ रहे हैं। हालांकि जान्हवी कपूर का किरदार फिल्म में ज्यादा बड़ा नहीं है। लेकिन लोगों को दोनों की केमिस्ट्री भी काफी पसंद आ रही है। फिल्म में सैफ अली खान ने विलेन का किरदार निभाया है। इस किरदार को लोगों ने खूब प्यार दिया है। साथ ही सैफ अली खान की एक्टिंग की भी खूब तारीफ हुई है। जूनियर एनटीआर एक बार फिर एक्शन मोड में नजर आए हैं। देवरा: पार्ट 1 में एक्टर का डबल रोल है।

आपको बता दें कि देवरा के मेकर्स को बॉक्स ऑफिस पर फिल्म से काफी उम्मीदें हैं। फिल्म को हिट बनाने के लिए साउथ और बॉलीवुड स्टार्स का कोलेबोरेशन किया गया है। ऐसा इसलिए ताकि फिल्म सिर्फ साउथ तक ही सीमित न रहे। हालांकि, अब तक मिक्स रिव्यू के बावजूद फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर रही है। अब देखना होगा कि फिल्म के लिए ये हफ्ता कैसा रहता है।

करीना ने 'व्हाट वीमेन वांट सीजन 5' की झलकियां शेयर की

मुंबई/एजेंसी

बॉलीवुड अभिनेत्री करीना कपूर ने अपने आने वाले शो 'व्हाट वीमेन वांट सीजन 5' की झलकियां सोशल मीडिया पर शेयर की हैं। करीना कपूर इन दिनों अपने शो, 'व्हाट वीमेन वांट' के आगामी सीजन की शूटिंग कर रही हैं। करीना कपूर ने सोशल मीडिया पर 'व्हाट वीमेन वांट' के सेट से अपना एक मजेदार बिहाइंड द शूट वीडियो साझा किया। इस वीडियो क्लिप की शुरुआत में करीना शूटिंग के लिए तैयार होती और अपने वैनिटी वैन से बाहर निकलते नजर आती हैं। इसके बाद करीना को आदित्य रॉय कपूर का इंटरव्यू लेने के लिए सेट पर एंट्री करते देखा जा सकता है। इस दौरान वह कहती नजर आती हैं, इसका शॉट लेलो।

इसके बाद वह भूमि पेडनेकर के गले लगती भी नजर आती हैं। भूमि भी उनके शो की मेहमानों में से एक हैं। इस पोस्ट के साथ करीना ने ब्रूनो मार्स का मशहूर गाना, अपटाउन फंक भी लगाया है। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, आप सभी ने इसके लिए कहा था। अब जाकर मीम्स बनाएं।

व्हाट वीमेन वॉन्ट सीजन 5। करीना कपूर के इस पोस्ट पर कई सितारों ने भी प्रतिक्रिया दी है। कैटरीना कैफ ने भी उनके इस पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने द बेस्ट बताया है।

मिथुन चक्रवर्ती को मिलेगा दादा साहेब फाल्के पुरस्कार

मुंबई/एजेंसी

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती को भारतीय सिनेमा में उनके योगदान के लिए दादा साहेब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। मिथुन चक्रवर्ती को दादा साहेब फाल्के पुरस्कार 08 अक्टूबर 2024 को 70वें नेशनल फिल्म अवॉर्ड सेरेमनी के दौरान प्रेजेंट किया जाएगा। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मिथुन चक्रवर्ती को दादा साहब फाल्के पुरस्कार दिए जाने का ऐलान किया है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने एक्स पर लिखा, मिथुन दा की सिनेमाई जर्नी ने हर जेनरेशन को इंस्पायर किया है। मैं ये ऐलान करते हुए सम्मानित महसूस कर रहा हूं कि दादा साहेब फाल्के सेलेक्शन जूरी ने मिथुन चक्रवर्ती को इंडियन सिनेमा में उनके अहम योगदान के लिए सम्मानित करने का फैसला किया है। गौरतलब है कि वर्ष 1976 में प्रदर्शित फिल्म .मृगया ..बतौर अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती के सिने करियर की पहली फिल्म थी। फिल्म में उन्होंने एक ऐसे संथाली युवक .मृगया ..की भूमिका निभाई जो अंग्रेजी हुकूमत द्वारा अपनी पत्नी के यौन शोषण के विरुद्ध आवाज उठाता है। फिल्म में उन्हें दमदार अभिनय के लिये सर्वश्रेष्ठ अभिनेता के राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। मिथुन चक्रवर्ती को को कला के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए पद्म भूषण से सम्मानित किया गया है।मिथुन चक्रवर्ती अपने सिने करियर में 350 से अधिक फिल्मों में अभिनय किया है। मिथुन चक्रवर्ती आज भी जोशो-खरोश के साथ फिल्मों में काम कर रहे हैं।

सिनेमाघरों में फिल्म देखने का अनुभव बेहद खास : अमिताभ बच्चन

मुंबई/एजेंसी

बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन का कहना है कि सिनेमाघरों में फिल्म देखने का अनुभव बेहद खास होता है। अमिताभ बच्चन इन दिनों सोनी एंटरटेनमेंट के क्विज शो कौन बनेगा करोड़पति सीजन 16 को होस्ट कर रहे हैं। शो के आगामी एपिसोड में, दर्शक महाराष्ट्र के बीड निवासी किशोर अहीर को हॉट सीट पर बैठे हुए देखेंगे। प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे एक समर्पित लाइब्रेरियन, किशोर का सपना अपने गांव में एक शैक्षणिक संस्थान स्थापित करने का है, जो उनका अपने प्यारे दादाजी के प्रति श्रद्धांजलि होगी। अमिताभ ने कहा, अक्सर ऐसा होता है कि जब मैं कोई फिल्म देखने जाता हूं, तो पहले फिल्म का शीर्षक पढ़ता हूं, लेकिन यदि एक महीने बाद कोई मुझसे पूछे कि मैंने कौन सी फिल्म देखी, मैं नाम भूल चुका होता हूं। मैं इसका ज़िक्र इसलिए कर रहा हूं क्योंकि आजकल फिल्मों की भरमार है। चाहे मोबाइल पर हो या थिएटर में, हर जगह फिल्मों के अनगिनत विकल्प हैं। किशोर ने कहा, हम

आम तौर पर अपने मोबाइल डिवाइस पर फिल्में देखते हैं, जिस पर अमिताभ बच्चन ने जवाब दिया, मुझे इतनी छोटी स्क्रीन पर फिल्में देखना मुश्किल लगता है, यह थोड़ा अजीब लगता है। हमने बड़े पर्दे पर फिल्मों का आनंद लेने के लिए कड़ी मेहनत की है।

हम बड़े पर्दे के लिए बने हैं, और सिनेमाघरों में फिल्म देखने का अनुभव वाकई खास है। अमिताभ ने फिल्म हेरिटेज फाउंडेशन द्वारा हाल ही में उनकी प्रसिद्ध फिल्म शोले की दोबारा रिलीज करने को भी याद किया, और बताया कि थिएटर में लगी लंबी लाइनों और दर्शकों की प्रभावशाली ऊर्जा को देखते हुए, स्पष्ट है कि वे अब भी फिल्म का आनंद ले रहे हैं; उन्होंने कहा, बड़े पर्दे का असर कुछ और है।किशोर ने तब बताया कि उनके पिता शोले के बहुत बड़े फैन हैं, और वह फिल्म की सीडी लाते थे और उसे बार-बार देखते थे।

और, फैन्स के विशेष अनुरोध पर, अमिताभ बच्चन ने फिल्म शोले की अपनी प्रसिद्ध लाइन, तुम्हारा नाम क्या है, बसंती? सुनाकर सभी को खुश कर दिया। कौन बनेगा करोड़पति सीजन 16, रात 9 सोमवार से शुक्रवार को सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर प्रसारित होता है।

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

जो व्यक्ति प्राकृतिक जीवन जीता है, वह अपने आप में ऐश्वर्य पूर्ण जीवन जीता है। यह प्रकृति मानवीय मन को समृद्ध बनाने वाली है। उसी प्रकृति के रूप में कोई भाषा है तो वह प्राकृत भाषा है। प्रकृति सबको स्वीकार करती है। प्राकृतिक सौन्दर्य का आनंद ही कुछ और है, वह अनुभव होता है। वह दिल में प्रसन्नता भर देता है। प्राकृत भाषा में अलग ही चमक रही हुई है। हमारे आगम उसी प्राकृत भाषा में लिखे गए। प्राकृत भाषा बोलने, सुनने में बहुत मधुर है। परमात्मा के समय में वही बोली मातृभाषा के रूप में बोली जाती थी। हमारा कर्तव्य बनता है कि प्राकृत भाषा के प्रति प्रेम होना ही चाहिए।

साधना में स्थिरता से व्यक्ति उत्कृष्टता की ओर बढ़ता है : युवाचार्य महेंद्र ऋषि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। साधना में स्थिरता से व्यक्ति अपने जीवन में उत्कृष्टता की ओर अग्रसर होता है। सोमवार को एएमकेएम जैन मेमोरियल सेंटर में चातुर्मासार्थ विराजित श्रमण संघीय युवाचार्य महेंद्र ऋषिजी महाराज ने व्यक्त किए। उनके सान्निध्य में पुच्छिस्सुणं संपुट की बीसवीं गाथा का सामूहिक जाप हुआ, जिसमें श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। गाथा के भावार्थ को स्पष्ट करते हुए युवाचार्यश्री ने कहा कि साधना की स्थिरता ही वह महत्वपूर्ण आधार है, जो किसी भी व्यक्ति को आध्यात्मिक उत्थान और व्यक्तिगत विकास की ओर प्रेरित करती है।

युवाचार्य महेंद्र ऋषिजी ने आगे कहा कि जीवन में वास्तविक प्रगति तभी संभव है, जब व्यक्ति मन, वचन, और कर्म की स्थिरता को बनाए रखते हुए अपने लक्ष्यों के प्रति समर्पित रहता है। वर्तमान समय का मानव जीवन अनगिनत चुनौतियों और विकर्षणों से घिरा हुआ है, किंतु जो साधना में अडिग रहता है, वह न केवल अपने मन को नियंत्रित करने की शक्ति प्राप्त करता है, बल्कि आत्म-साक्षात्कार की उच्चतम अवस्था तक भी पहुंचता है।

उन्होंने साधना के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि यह केवल मानसिक शांति का साधन नहीं है, बल्कि हमारे संपूर्ण जीवन को संतुलन और शक्ति प्रदान करने वाला मार्गदर्शक भी है। साधना में धैर्य, समर्पण और निरंतरता का होना अपरिहार्य है। जब तक हम अपने लक्ष्यों के प्रति अटल नहीं रहते, तब तक वास्तविक सफलता असंभव है। साधना की यह स्थिरता ही हमारे जीवन को सार्थक बनाती है।

युवाचार्यश्री ने उपस्थित श्रद्धालुओं से आह्वान किया कि वे साधना में निरंतरता बनाए रखें और इसे अपने जीवन का एक अभिन्न अंग बनाएं। उन्होंने यह भी संकल्प दिलवाया कि साधना की इस शक्ति के माध्यम से वे जीवन की हर चुनौती का सामना करते हुए आध्यात्मिकता की दिशा में प्रगति करेंगे और जीवन को एक नई दिशा प्रदान करेंगे। इस दौरान धर्मसभा मे विभिन्न क्षेत्रों से गुरुभक्तगण युवाचार्यश्री के दर्शनार्थ व वंदनार्थ उपस्थित हुए। मंगलवार से युवाचार्य श्री के जन्मोत्सव के पंच दिवसीय कार्यक्रम शुरू होंगे। राकेश विनायकिया ने धर्मसभा का संचालन किया।

मिनिस्ट्री ऑफ अमीगोस का ऊर्जा सांस्कृतिक कार्यक्रम 6 को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मिनिस्ट्री ऑफ़ एमिगोस संस्था का सांस्कृतिक कार्यक्रम सायंकाल 6 अक्टूबर को डीजी वैष्णव कॉलेज के प्रांगण में रखा गया है। सुभाष चंद रांका द्वारा प्रायोजित ऊर्जा नामक इस सांस्कृतिक संध्या में विभिन्न रूप से एकता, परिवार जुटता, राष्ट्रवाद, संयुक्ता ऐसे विभिन्न अंगों में छुपी ऊर्जा को दर्शाया जाएगा। मुख्य प्रायोजक सुभाष चंद रांका इसके मुख्य अतिथि रहेंगे। अशोक कुमार मुंद्रा, मोहनलाल बजाज एवम गणमान्य व्यक्ति भी सम्मिलित होंगे। ज्ञात रहे यह संस्था 9 साल से 15 साल के बच्चों के विकास हेतु कार्यरत है। कई सारी प्रयोगशालाएं, खेलकूद एवम मनोरंजन के साथ इस वर्ग के बच्चों को जीवन जीने की कला सीखाने के लक्ष्य लिए यह संस्था तत्पर है। अजय नाहर से प्राप्त जानकारी के अनुसार इस कार्य में संध्या नाहर, टीना चोवटिया और नीलम मरडिया कार्यरत है। सांस्कृतिक कार्यक्रम के नृत्य मार्गदर्शक निखिल किंगर है।

राजस्थानी संघ की साधारण सभा सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। यहां आरएस पुरम् स्थित राजस्थानी संघ भवन में राजस्थानी संघ की 52वीं साधारण सभा रविवार को सम्पन्न हुई। संघ के मीडिया प्रमुख किशोर गोलेछा ने बताया कि कोयम्बटूर में प्रवासियों की सबसे बड़ी और पुरानी संस्था में राजस्थानी संघ है।

गणेश वंदना के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। संघ के अध्यक्ष गौतमचंद श्रीश्रीमाल ने सभी सम्मानित सदस्यों का स्वागत करते हुए कहा कि संघ के सम्मानित सदस्यों के सहयोग और पूर्व अध्यक्षों के मार्ग दर्शन से संघ कठिन समय से उभर रहा है। उन्होंने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

सचिव विकास (नाकोड़ा) जैन ने गत साधारण सभा की कार्यवाही पढ़कर सुनवाई। संघ के कोषाध्यक्ष विक्रम सालेचा ने 2023-24 का वार्षिक लेखा जोखा एवं ऑडिट रिपोर्ट पेश की जिसको सर्वसहमति से पारित किया गया। इस कार्यक्रम में पूर्व अध्यक्ष श्रीगोपाल महेश्वरी, बालचंद बोथरा, सीताराम कंकानी, महावीर जैन (एपेक्स), रमेश सुतलिया, उपाध्यक्ष पारसमल जैन, सह सचिव श्री प्रकाश माली,सह कोषाध्यक्ष अशोक कुमार राजपुरोहित और कार्यकारणी सदस्य सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे। बैठक में सभी की सहमति से अहम फैसले लिए गए और संघ हित कार्य और नई योजनाओं को लागू करने के प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किए गए।

नेत्रदान को लेकर जागरूकता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। चेन्नई के माधावरम् के जैन तेरापंथ नगर में तेरापंथ युवक परिषर्द द्वारा आयोजित इस जागरूकता अभियान का मुख्य उद्देश्य जन-जन में नेत्रदान के प्रति जागरूकता फैलाकर दृष्टि विहीन व्यक्तियों को रोशनी पाने में सहायक बनने के लिए प्रेरित करना था। साध्वी श्री डॉ गवेषणा श्रीजी के प्रवचन के पश्चात, माधावरम में आयोजित इस अभियान में तेरापंथ युवक परिषद के पदाधिकारियों और अन्य गणमान्यों की उपस्थित रही। परिषद के कार्यकर्ताओं ने वहां उपस्थित सभी श्रावक समाज एवं अन्य समाज के व्यक्तियों को नेत्रदान के महत्व को समझाते हुए उन्हें नेत्रदान के लिए जागरूक बनाया।

अनेक गणमान्य व्यक्तियों सहित कई सदस्यों ने संकल्प पत्र भरकर एवं अपने परिवार के अन्य सदस्यों को भी प्रेरित करने का आश्वासन देकर इस मुहिम में सहयोग दिया।

भौतिक सुखों से मुक्ति का नाम दीक्षा है : साध्वी राजमती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां साहुकारपेट के जैन संघ के तत्वावधान में आगामी 11 अक्टूबर को साध्वीश्री राजमतिजी म. सा. एवं साध्वीश्री विनयश्रीजी म. सा. के तत्वावधान में दीक्षा संबंधी तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए एक कार्यशाला महासतीजी राजमती जी के सानिध्य में आयोजित हुई, जिसमें दीक्षा संबधित तैयारियों पर विस्तार से जानकारी दी गई। बैठक को संबोधित करते हुए साध्वीश्री कहा कि विरक्ति की भावना अत्यंत ही कठिन है और जो लोग संसार की नश्वरता समझ लेते हैं वे ही दीक्षित हो सकते हैं। बैठक में देश के विभिन्न क्षेत्रों से पदार्पण करने वाले अतिथियों के ठहरने और अन्य आवश्यक वस्तुओं पर भी विचार किया गया। महासचिव संजय पिन्चा ने कहा कि इस आध्यात्मिक कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाने के लिए हरसंभव प्रयास किया जा रहा है।

बैठक में शामिल सदस्यों ने युवाचार्य महेंद्र ऋषि जी महाराज सा के सानिध्य में मुमुक्षु दीपिका के दीक्षित होने पर अत्यंत ही प्रसन्नता जाहिर की। दीक्षा अयनावरम् स्थित दादावाड़ी में 11 अक्टूबर को होगी।

श्रीमद् देवी भागवत कथा 3 अक्टूबर से

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां माधावरम स्थित शारदीय नवरात्रि सेवा समिति ट्रस्ट द्वारा 3 अक्टूबर से नौ दिवसीय संगीतमय श्रीमद् देवी भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है। माधावरम बस स्टैंड के पास स्थित राजराजेश्वरी कल्याण मंडपम में आयोजित होने वाले श्रीमद देवी भागवत कथा में सरस कथा प्रवक्ता श्री धाम वृंदावन से श्री सियारामशरण शास्त्रीजी व्यास पीठ पर विराजमान होकर कथा का श्रवण करवाएंगे।

कथा का शुभारंभ 3 अक्टूबर दोपहर 2:30 माधावरम स्थित शिव मंदिर से कलश यात्रा के साथ होगा। कथा आयोजक डीके पांडे ने बताया कि नौ दिवसीय कथा में प्रतिदिन मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की कथा विस्तार पूर्वक आचार्यश्री द्वारा सुनाई जाएगी। नवमी तिथि को मां भगवती जागरण का कार्यक्रम किया जाएगा जिसमें लोक गायक पंकज कुमार सिंह, तुलसी मानसी बहनों तथा भरतनाट्यम कलाकार भावना गुमा रात्रि जागरण में अपनी प्रस्तुतियां देंगे। जागरण में श्री श्याम सत्संग ट्रस्ट अन्नानगर चेन्नई के द्वारा विशेष प्रस्तुति दी जाएगी। कार्यक्रम के अंतिम दिन दिनांक 12 अक्टूबर को ज्वार वितरण, आशीर्वचन एवं विसर्जन किया जाएगा। कार्यक्रम की तैयारियों में ट्रस्ट के पदाधिकारी जुटे हुए हैं।

जीतो नार्थ लेडीज विंग ने केएमवाईएफ डायलेसिस सेन्टर में एक डायलेसिस मशीन भेंट की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो नार्थ चैप्टर के अंतर्गत जीतो लेडीज विंग ने अपने दो वर्षीय कार्यकाल समापन अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में अध्यक्ष बिन्दु रायसोनी के नेतृत्व में विंग की ओर से कर्नाटक मारवाड़ी यूथ फेडरेशन डीआर रांका डायलेसिस सेन्टर को एक डायलेसिस मशीन भेंट की। लेडीज विंग की सदस्याएं डायलेसिस सेन्टर पहुंची जहां केएमवाईएफ़ डायलेसिस प्रोजेक्ट के प्रमुख कुशलराज पिरगल ने पूरे सेंटर का अवलोकन करवाया एवं डायलेसिस प्रक्रिया के बारे में बताया। वर्तमान में केन्द्र में यहाँ 36 मशीनों का उपयोग हो रहा है। पिरगल ने जीतो लेडीज विंग की मानवसेवी कदम की सराहना की। स ओर बहुत सार्थक प्रयास है। केएमवाईएफ को जीतो लेडीजविंग की ओर से डायलेसिस मशीन के लिए चेक प्रदान किया गया। सहमंत्री भाविका कोठारी, पिंकी मेहता, महामंत्री सुमन वेदमुथा सहित अन्य महिला सदस्याओं ने डायलेसिस केन्द्र का दौरा किया।

आल इंडिया इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन साउथ जोन द्वारा खेल आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। आल इंडिया इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन साउथ जोन द्वारा खेल का आयोजन आदर्श विद्यालय में आयोजित किया गया। जिसमे 8 से 70 साल तक के जवानों ने अपने खेल का जलवा दिखाया, कैरम, टीटी, बैडमिंटन निम्न प्रकार के खेलों का आयोजन किया गया, अध्यक्ष सुनील हांडा ने सभी खिलाड़ियों और प्रायोजकों का स्वागत किया, खेल के संयोजक विनोद कोठारी सह संयोजक महिपाल ने बखुबी से खेल आयोजन में अपनी सहभागिता निभाई। प्रदीप चोरारिया, गजेंद्र बोहरा, श्रेयांस सेठिया ने आयोजन को सफल बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। पूर्व अध्यक्ष मुकेश खूबचंदानी, समिति सदस्य रमाकांत, वह अन्य कई सदस्यों ने अपनी उपस्थिति दर्ज करा के सफल आयोजन में अपनी जगह बनाई।

इस खेल आयोजन में पिता पुत्र की सहभागिता तो थी पर तीन पीढ़ी के खिलाड़ियों को भी एक साथ मे अलग अलग खेलो में अपने खेल का जलवा दिखाया, 8 साल के समवीर हो या विद्युत और 70 साल के घनश्याम हो हर कोई हावी हो गया। सभी विजेता खिलाड़ियों को ट्रॉफी से सम्मान किया गया। मंत्री तुफैल अहमद ने सभी खिलाड़ियों और विशेष कर प्रायोजकों का दिल से शुक्रिया अदा किया।

तेयुप राजाजीनगर के 'मंथन' कार्यक्रम में विभिन्न महत्त्वपूर्ण विषयों पर हुई चर्चा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत राष्ट्रमत। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद द्वारा निर्देशित तेयुप राजाजीनगर द्वारा 'मंथन' कार्यक्रम तेयुप राजाजीनगर ने कार्यक्रम का आयोजन किया। श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन तेयुप परामर्शक प्रवीण नाहर ने किया। तेयुप अध्यक्ष कमलेश चौरडिया ने सभी का स्वागत किया। इस मौके पर तेयुप राजाजीनगर के संस्थापक अध्यक्ष सुनील बाफना ने मानव सेवा का स्थाई उपक्रम एटीडीसी के अनुभव साझा करते हुए उस उपक्रम को उन्नति एवं प्रगतिशील कर जनमानस में अपनी पहचान बनाने के विषय पर चर्चा की।

आचार्य तुलसी जैन हॉस्टल में बाहर से आने वाले जैन परिवार के बच्चों के लिए प्राथमिकता व कॉरपोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी (सीएसआर) विषय पर चर्चा की। पूर्व अध्यक्ष चंद्रेश मांडोत ने कहा कि नेतृत्व अच्छा हो तो विकास करना आसान हो जाता है। हमें अच्छे कार्यकर्ता तैयार करने होंगेएवं समाज के समक्ष अच्छी रूपरेखा के साथ जाए तो वितीय समस्या नहीं आएगी। पूर्व अध्यक्ष प्रवीण दक ने परिषद के सुव्यवस्थित कार्यक्रमों हेतु वितीय योजनाओं पर बात करते हुए कहा कि हमें समय समय पर अच्छे कार्य कर पारदर्शिता से आगे बढ़ना चाहिए।

पूर्व अध्यक्ष सतीश पोरवार ने तेयुप को अपने कार्यों की गुणवता पर ध्यान केन्द्रीत करने तथा किशोर वर्ग, युवा वर्ग एवं समाज के अन्य वर्गों हेतु कार्यक्रमों का आयोजन हो जिससे सभी वर्ग अपने पसंदीदा कार्य में सम्मिलित होकर कार्यक्रम को सफल बना सकते है। पूर्व अध्यक्ष मनोज मेहता, अरविंद गन्ना एवं कमलेश गन्ना ने अपने विचार रखते हुए संगठन को मजबूत व सदस्यों की सहभागिता को सुनिश्चित करने के विषय पर अपने विचार व्यक्त किए।

सिद्धार्थ सांस्कृतिक समिति के दुर्गा महोत्सव की तैयारियां जोरों पर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय सिद्धार्थ सांस्कृतिक समिति एवं राजेंद्र बाबू मेमोरियल ट्रस्ट बिहार भवन के संयुक्त तत्वावधान में 46वें दशहरा पूजा महोत्सव की तैयारी बैठक का आयोजन पूजा स्थल प्रिंसेस श्राइन सभागार में हुई। बैठक में कार्यकारिणी सदस्यों ने भाग लिया। समिति के अध्यक्ष केके सिंह कुमार बाबू ने कहा कि समिति की ओर से इस बार पूजा अध्यक्ष शेषनाथ दुबे द्वारा बनारस के आचार्य नित्यानंद त्रिपाठी अपने चार पंडितों के सान्निध्य में कलश स्थापना की जाएगी तथा मां दुर्गा पूजन का संकल्प दिलाएं जाएंगे। सचिव सुबोध सिंह ने बताया कि अगले गुरुवार को सुबह 11.37 बजे अभिजीत मुहूर्त में पूजा प्रारंभ होगी। हर रोज सुबह 10 बजे एवं रात्रि आठ बजे पूजा एवं आरती होगी।

'गृहस्थ के लिए श्रावकाचार का पालन भी जरुरी हैं'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ हनुमंतनगर के तत्वावधान में साध्वी धर्मप्रभाजी ने कहा कि धर्म पर सच्ची श्रद्धा रखें। देह को धारण करने का सार हैं व्रतों को धारण करना। मुनि के पंच महाव्रत के साथ, श्रावक के बारह व्रतों का पालन करने वाले गृहस्थ श्रावक के लिए भी भगवान महावीर ने गृहस्थ लिंग सिद्धा की प्ररूपणा की हैं। मरूदेवी माता ने गृहस्था वस्था में केवलज्ञान, सिद्धत्व की प्राप्ति की थी। श्रावक के लिए व्रत-नियम का पालन भी आवश्यक हैं। उपासकदसा सूत्र में प्रभु महावीर के शासन के मुख्य दस श्रावकों का वर्णन बताया गया है। जो धन, सम्पदा आदि सभी पर्दार्थों के साथ रहकर भी आनंद, श्रावक आदि दस श्रावकों ने गृहस्थावस्था में भी श्रावक के बारह व्रतों का पालन करते हुए मर्यादित जीवन जीया और धर्म- साधना करते हुए अपनी आत्मा के लिए मुक्ति पथ का मार्ग प्रशस्त किया।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.